लाल किताब टेवा

Name - Ajit K Singh

Date - 18/12/1973 Time - 01:45:00

POB - Ballia (up), INDIA

Longitude - 084:10:00 E

Latitude - 025:45:00 N

PAWAN KUMAR VERMA

ASTRO RESEARCH CENTER

Contact - 9417311379

© RED ASTRO 11 Professional

ज्योतिष सारिणी

मुख्य विवरण

लिंग	पुरूष
जन्म दिनांक	18 दिसम्बर 1973
जन्म समय	01:45:00
जन्म दिन	मंगलवार
जन्म स्थान	Ballia (up)
राज्य	
देश	INDIA
अक्षांश	025:45:00 N
रेखांश	084:10:00 E
स्थानीय समय संस्कार	00:06:40 hrs
स्थानीय समय	01:51:40 hrs
समय क्षेत्र	05:30 E
समय संशोधन	00:00:00
सांपातिक काल	07:36:55 hrs
इष्ट काल	47: 52: 16 Ghati

पंचांग विवरण

विक्रम संवत	2030
शक संवत	1895
संवत्सर	प्रमादी
ऋतु	हेमन्त
मास	पौष
पक्ष	कृष्ण
वार	सोमवार
तिथि	नवमी
नक्षत्र (पद)	हस्ता (2)
योग	सौभाग्य
करन	गरिज

अवकहड़ा चक्र

पाया	स्वर्ण
वर्ण	वैश्य
वश्य	द्विपद
योनि	महिष (स्त्री)
गण	देव
नाड़ी	आदि
रज्जु	कंठ
तत्व	अग्नि
तत्वाधिपति	मंगल
विहग	वायस
नाड़ी पद	मध्य
वेध	शतभिषा
आद्याक्षर	श
दशा बैलेंस	चन्द्रमा – 5व05मा026दि0
वर्तमान दशा	शनि–शनि–राहु
भयात	27: 30: 35 Ghati
भभोग	61: 31: 25 Ghati
सूर्य राशि (वैदिक)	धनु
सूर्य राशि (पाश्चात्य)	धनु
अयनांश	N.C.Lahiri
अयनांश मान	023:29:36
देकानेट	3
फेस	VI
सूर्योदय	06:36:32AM
सूर्यास्त	05:03:05PM
जन्मदिन का ग्रह	चन्द्रमा
जन्मसमय का ग्रह	शनि

लग्न
कन्या

राशि
कन्या

नक्षत्र – पद
हस्ता – 2

लग्नाधिपति
बुध

राशिपति
बुध

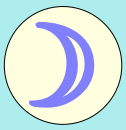

नक्षत्रपति
चन्द्रमा

घात चक्र

भद्रा अशुभ मास	शनिवार अशुभ वार	1 अशुभ प्रहर
मिथुन अशुभ राशि	मीन अशुभ लग्न	5, 10, 15 अशुभ तिथि
श्रावण अशुभ नक्षत्र	सुकर्मन अशुभ योग	कौलव अशुभ करन

शुभ बिन्दु

9 मूलांक	5 भाग्यांक	3, 9 मित्रांक
2, 4 शत्रु अंक	18, 21, 23, 27, 30, 32, 36, 39 शुभ वर्ष	बुधवार, शुक्रवार शुभ दिन
बुध, शुक्र शुभ ग्रह	मंगल, गुरू अशुभ ग्रह	धनु, मीन, वृष, कर्क मित्र राशि
धनु, मीन, वृष, कर्क मित्र लग्न	पन्ना शुभ रत्न	पन्नी, संगपन्ना, मरगज शुभ उपरत्न
हीरा भाग्य रत्न	गणेश अनुकूल देवता	कांसा शुभ धातु
हरित शुभ रंग	उत्तर दिशा	सूर्योदय के 2 घंटे बाद शुभ समय
शक्कर, हाथीदांत, कपूरस शुभ पदार्थ	मूंग (साबुत) शुभ अन्न	घी शुभ द्रव्य

ग्रह स्थिति (पराशरी)

सूर्य	धनु 02:15:49 मूला (1) सम राशि	चन्द्रमा	कन्या 16:00:57 हस्ता (2) मित्र राशि
मंगल	मेष 04:42:18 अश्विनी (2) स्व नक्षत्र	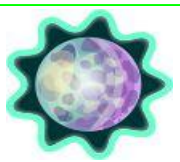 बुध (अ.)	वृश्चिक 19:51:24 ज्येष्ठा (1) स्व राशि
गुरू	मकर 17:56:39 श्रवण (3) स्व नक्षत्र	शुक्र	मकर 13:00:16 श्रवण (1) नीच राशि
शनि (व.)	मिथुन 08:12:33 अरिद्रा (1) मित्र राशि	राहु	धनु 05:10:35 मूला (2) मित्र राशि
केतु	मिथुन 05:10:35 मृगशिर (4) सम राशि	हर्षल	तुला 03:20:59 चित्रा (4) सम राशि
नेपच्यून	वृश्चिक 14:20:41 अनुराधा (4) सम राशि	प्लूटो	कन्या 13:11:14 हस्ता (1) सम राशि
लग्न	कन्या 28:15:29 चित्रा (2) ---	10वां कस्प	मिथुन 28:56:27 पुनर्वसु (3) ---

ग्रह स्थिति (पराशरी)

ग्रह		व/अ	राशि	अंश	नक्षत्र	पद	कारक	विशेष
AC	लग्न		♍ कन्या	28:15:29	चित्रा (14)	2		
☽	सूर्य		♐ धनु	02:15:49	मूला (19)	1	दारा	मित्र राशि
☉	चन्द्रमा		♍ कन्या	16:00:57	हस्ता (13)	2	भ्रात्रि	स्व नक्षत्र
☽	मंगल		♈ मेष	04:42:18	अश्विनी (1)	2	ज्ञाति	स्व राशि
☿	बुध	अ.	♏ वृश्चिक	19:51:24	ज्येष्ठा (18)	1	आत्म	स्व नक्षत्र
♃	गुरू		♑ मकर	17:56:39	श्रवण (22)	3	अमात्य	नीच राशि
♀	शुक्र		♑ मकर	13:00:16	श्रवण (22)	1	मात्रि	मित्र राशि
♄	शनि	व.	♊ मिथुन	08:12:33	अरिद्रा (6)	1	अपत्या	मित्र राशि
☊	राहु		♐ धनु	05:10:35	मूला (19)	2		सम राशि
☋	केतु		♊ मिथुन	05:10:35	मृगशिर (5)	4		सम राशि
♅	हर्षल		♎ तुला	03:20:59	चित्रा (14)	4		सम राशि
♆	नेपच्यून		♏ वृश्चिक	14:20:41	अनुराधा (17)	4		सम राशि
♇	प्लूटो		♍ कन्या	13:11:14	हस्ता (13)	1		सम राशि

लग्न कुण्डली

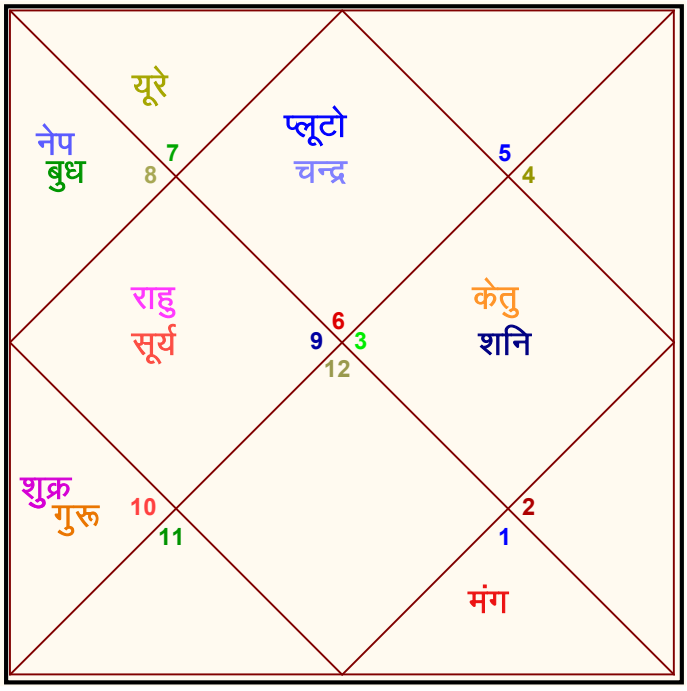

नवांश कुण्डली

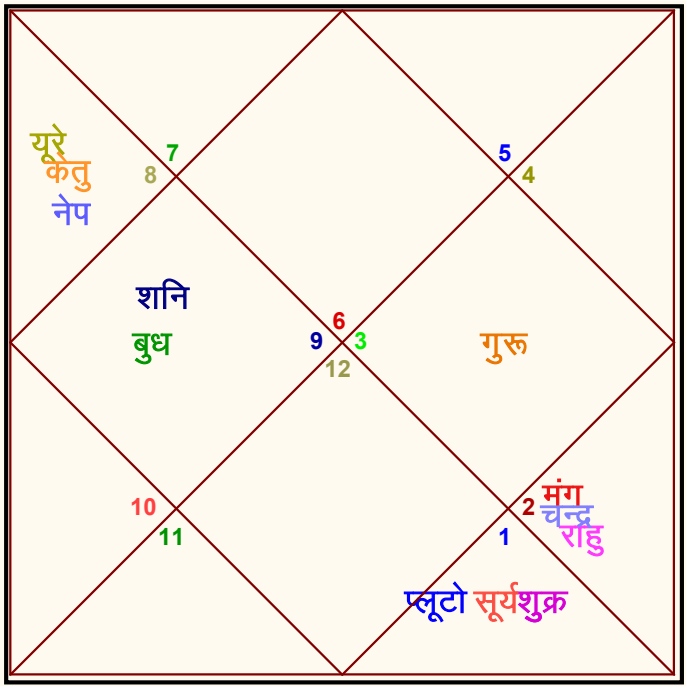

लाल किताब में ग्रह

सूर्य

भाव न. 4, स्वयं का ऋण, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,गुरू), बिलमुकाबिल (चन्द्रमा, गुरू)

चन्द्रमा

भाव न. 1, जन्मदिन का, शुभ भाव में, साथी (सूर्य)

मंगल

भाव न. 8, ग्रहफल, पक्के घर का, अपने घर का, अशुभ भाव में

बुध

भाव न. 3, स्वभाव (राहु), किस्मत का, अपने घर का, भाग्योदय का, अशुभ भाव में, साथी (सूर्य,राहु)

गुरू

भाव न. 5, ग्रहफल, पक्के घर का, पितृ ऋण, मित्र के घर में, शुभ भाव में

शुक्र

भाव न. 5, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में

शनि

भाव न. 10, बद स्वभाव, ग्रहफल, पक्के घर का, अपने घर का, जन्मसमय का, भाग्योदय का, शुभ भाव में, बिलमुकाबिल (राहु)

राहु

भाव न. 4, धर्मी, अशुभ भाव में

केतु

भाव न. 10, राशिफल, शुभ भाव में

ग्रह स्थिति (लाल किताब)

लाल किताब टेवा

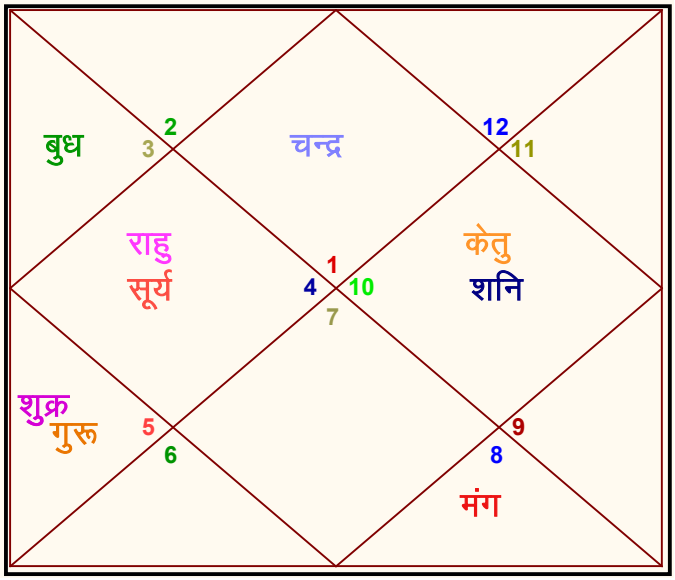

लाल किताब चन्द्र कुण्डली

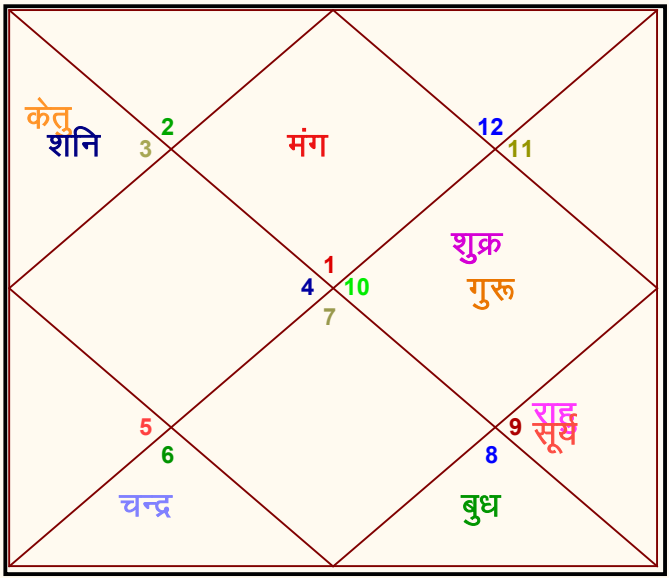

ग्रह योग

सूर्य + गुरू	(साझी दिवार), चन्द्रमा, वाल्दैनी खुन (वीर्य)
सूर्य + शनि	(दृष्टि–100), मंगल (बद), औलाद जिंदा रखने का मालिक
सूर्य + शनि	(दृष्टि–100), राहु (नीच), औलाद जिंदा रखने का मालिक
गुरू + शुक्र	(युति), शनि (केतु), सेहत/बीमारी

ग्रह दृष्टि (लाल किताब)

ग्रह	मुख्य	मददगार	टकराव	बुनियाद	दुश्मन	साझी दिवार	अचानक चोट
सूर्य	शनि(100), केतु(100)	मंग.			चन्द्र	गुरू, शुक्र	
चन्द्रमा		गुरू, शुक्र	मंग.		शनि, केतु	सूर्य, राहु	बुध
मंगल (बद)			बुध	सूर्य, राहु	गुरू, शुक्र		शनि, केतु
बुध			शनि, केतु			सूर्य, राहु	चन्द्र, गुरू, शुक्र
गुरू				चन्द्र			बुध
शुक्र				चन्द्र			बुध
शनि			गुरू, शुक्र			चन्द्र	मंग.
राहु	शनि(100), केतु(100)	मंग.			चन्द्र	गुरू, शुक्र	
केतु			गुरू, शुक्र			चन्द्र	मंग.

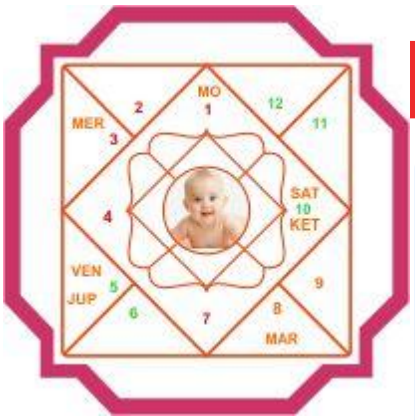

नाबालिक कुण्डली (टेवा)

लाल किताब के अनुसार, यदि कुण्डली के पहले, चौथे, सातवें और दसवें भाव (केन्द्र स्थान) में कोई भी ग्रह नहीं बैठा हुआ है या उनमें केवल बुध बैठा हुआ है अथवा केवल पापी ग्रह शनि, राहु, केतु स्थित हैं, तो ऐसी कुण्डली, नाबालिक टेवा (कुण्डली) कहलाती है। इस स्थिति में जातक की किस्मत बारह साल तक शक के दायरे में होती है।

लाल किताब के अनुसार, नाबालिक टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक–एक ग्रह का प्रभाव अग्रलिखित रूप में पड़ेगा। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1– उम्र के पहले साल में सातवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
2– उम्र के दूसरे साल में चौथे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
3– उम्र के तीसरे साल में नौवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
4– उम्र के चौथे साल में दसवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
5– उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
6– उम्र के छठें साल में तीसरे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
7– उम्र के सातवें साल में दूसरे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
8– उम्र के आठवें साल में पांचवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
9– उम्र के नौवें साल में छठे भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
10– उम्र के दसवें साल में बारहवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
11– उम्र के ग्यारहवें साल में पहले भाव के ग्रह का असर पड़ता है।
12– उम्र के बारहवें साल में आठवें भाव के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष – यह कुण्डली (टेवा) नाबालिक टेवा नहीं है।

धर्मी कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि कुण्डली में राहु या केतु 4थे भाव में या चन्द्रमा के साथ अथवा शनि 11वें भाव में या बृहस्पति के साथ बैठा हुआ है, तो ऐसी कुण्डली को धर्मी कुण्डली (टेवा) कहते हैं। ऐसे जातक के जीवन में कभी भी कोई बड़ी समस्या नही आ सकती है, जो कि जीवन में उथलपुथल मचा दे। किसी बहुत मुश्किल या कष्ट के समय उसे कहीं न कहीं से दैवीय सहायता प्राप्त हो जाएगी।

निष्कर्ष – यह कुण्डली धर्मी कुण्डली (टेवा) है।

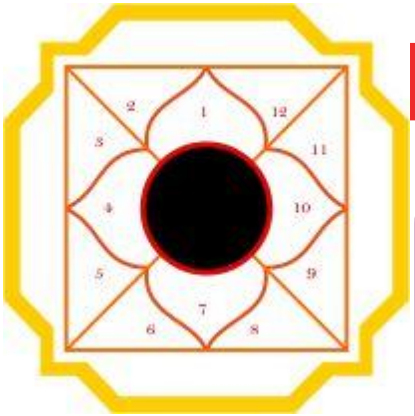

अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी कुण्डली के दसवें भाव में दो आपस में शत्रु ग्रह में बैठ जायें या कोई नीच ग्रह बैठा हो अथवा कोई ग्रह शत्रु ग्रह की पूर्ण दृष्टि में हो, तो ऐसी कुण्डली को अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) कहते हैं। कुण्डली में दसवां भाव जातक का कर्म स्थान है, इस घर का जातक की कमाई से संबद्ध है, इसलिए ऐसे भाव में दो या दो से अधिक परस्पर शत्रुता वाले ग्रह बैठ जायें (युति या दृष्टि से) या नीच का ग्रह हो तो, जातक के कर्मक्षेत्र में असंतुलन की स्तिथि पैदा हो जाती है। जातक की नौकरी या व्यापार में स्थिरता नहीं आ पाती है। दसवें भाव में बैठे अंधे हो चुके ग्रहों को ठीक करने के लिए दस अंधों को भोजन कराना चाहिए।

निष्कर्ष – आपकी कुण्डली के दसवें भाव में दो या दो से अधिक ग्रह स्थित हैं, जो आपस में शत्रु हैं (युति या दृष्टि से) या कोई नीच का ग्रह है। लाल किताब के अनुसार, आपकी कुण्डली अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) है।

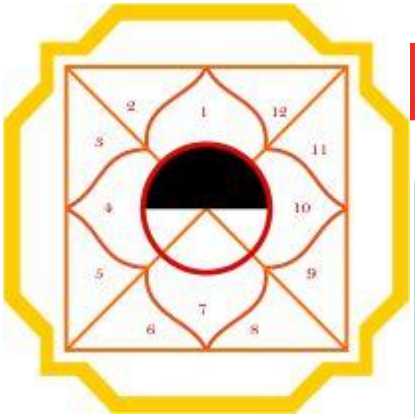

आधे अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि चौथे भाव में सूर्य और सातवें भाव में शनि स्थित हों तो ऐसी कुण्डली को आधे अंधे ग्रहों की कुण्डली कहते हैं। इस ग्रह की स्थिति का जातक की मानसिक स्थिति और व्यवसायिक जीवन पर अशुभ असर होगा। जातक की मानसिक शांति में काफी कमी आ सकती है। चौथा भाव हमारे सुख का भी घर है, इस ग्रह स्थिति के कारण गृहस्थ सुख में कमी आने की संभावना होती है।

निष्कर्ष – आपकी कुण्डली आधे अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) नहीं है।

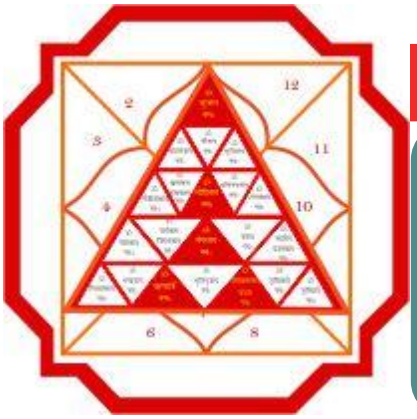

मांगलिक दोष और

लाल किताब के अनुसार, आपकी कुण्डली में मंगल पहले, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस स्थिति के अनुसार आपकी कुण्डली में मांगलिक दोष लागू हो रहा है।

आपकी कुण्डली में मंगल आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आप बहुत ज्यादा आदर्शवादी और आलसी हो सकते हैं। आपकी आदर्शवादिता आपके दाम्पत्य जीवन में कलह का कारण होगी।

1. हनुमान चालीसा का पाठ करें।
2. हनुमान जी को प्रसाद चढ़ायें।
3. हनुमान जी को सिंदूर का चोला चढ़ायें।
4. गायत्री का पाठ करें।
5. दुर्गा का पाठ करें।
6. रामचरित मानस के सुन्दर काण्ड का पाठ करें।
7. लाल रूमाल पास में रखें।
8. चाँदी का छल्ला (बिना जोड़ का) पहनें।
9. तांबे या सोने की अंगूठी में मूंगा जड़वाकर पहनें।
10. चाँदी के कड़े में तांबा जड़वा कर पहनें।
11. चाँदी की चूड़ी पर लाल रंग करवा कर जीवनसाथी को पहनायें।
12. बन्दर पालें, या बन्दरों को भोजन दें।
13. तन्दूर पर मीठी रोटी लगवा कर कुत्तों को दें।
14. मंदिर में मीठा भोजन बांटें।
15. चीनी बहते पानी में प्रवाहित करें।
16. शहद या सिन्दूर बहते पानी में प्रवाहित करें।
17. मिट्टी की दीवार बनवाकर बारबार गिरायें।
18. घर में नौकर रखें।

चाँदी के कड़े में तांबा जड़वा कर पहनें।

चाँदी की चूड़ी पर लाल रंग करवा कर जीवनसाथी को पहनायें।

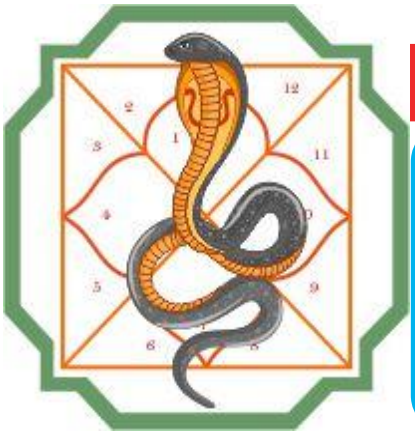

कालसर्प योग/दोष

जब कुण्डली में सारे ग्रह राहु और केतु के अंशो के बीच में आ जाते हैं, तो कुण्डली को कालसर्प योग से ग्रसित माना जाता है। यदि एक भी ग्रह राहु और केतु के अंशो के बाहर रह जाता है, तो पूर्ण कालसर्प योग नहीं माना जाएगा। हालांकि, सारे ग्रह केतू और राहु के अंशों के बीच में आ जायें, तो भी आंशिक कालसर्प योग माना जाएगा।

कालसर्प योग का सामान्य प्रभाव

(1) किसी भी शुभ और महत्वपूर्ण कार्य को करते समय परेशानियों का सामना करना। (2) मानसिक तनाव। (3) आत्मविश्वास में कमी। (4) स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां। (5) गरीबी और धन की कमी। (6) व्यापार में घाटा और नौकरी में परेशानी। (7) उत्तेजना और बेकार की चिंताएं। (8) मित्रों और शुभचिन्तकों से मनमुटाव। (9) मित्रों और शुभचिन्तकों की तरफ से विश्वासघात। (10) मित्रों, शुभचिन्तकों और रिश्तेदारों की ओर से किसी भी तरह का सहयोग नहीं प्राप्त होना।

आपकी कुण्डली में कालसर्प योग मौजूद नहीं है।

पितृ ऋण

कुण्डली में शुक्र दूसरे, पाँचवें, नवें या बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यह कुण्डली में पितृ ऋण को दर्शाता है। आपको लाल किताब में बताये हुए उपायों का पालन करना चाहिए।

ऋण – कारण और लक्षण

1– यदि कुल पुरोहित बदलने की आवश्यकता होती है।

2– यदि घर के आस–पास का कोई धार्मिक स्थल नष्ट कर दिया गया हो।

3– घर के आस–पास में कोई पीपल या बरगद का पेड़ नष्ट कर दिया गया हो।

प्रभाव

लाल किताब के अनुसार, आपके बाल में जब सफेदी आने लगती है, तो घर की धन–संपत्ति अपने आप नष्ट होनी शुरू हो जाती है तथा सिर पर चोटी के स्थान र बाल गायब हो जाते हैं और गले में माला या कंठी पहनना शुरू कर सकते हैं। आपके बारे में गलत अफवाहें उड़नी शुरू हो जाती है। आपको बिना गलती के ही जेल जाना पड़ सकता है।

उपाय

1– आप अपने परिवार के सारे सदस्यों से बराबर–बराबर पैसा इकट्ठा करें और किसी धार्मिक स्थान में दान करें।

2– अपने घर के आस–पास के किसी धार्मिक स्थल पर जाकर वहां की साफ–सफाई करें।

3– घर के आस–पास कोई पीपल या बरगद का पेड़ हो तो उसकी सेवा तथा देख–भाल करें और उसमें पानी डालें।

स्वयं का ऋण

कुण्डली में शुक्र पाँचवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यह कुण्डली में स्व ऋण को दर्शाता है। आपको लाल किताब में बताये हुए उपायों का पालन करना चाहिए।

ऋण – कारण और लक्षण

1– आप धर्म, संस्कृति, भगवान या रीति–रिवजों को नहीं मानते हों, इसलिए आपकी कुण्डली में यह ऋण लागू हो रहा है।

2– आपके घर में तंदूर या भट्ठी हो सकती है।

3– आपके छत में किसी सूराख से रोशनी आ रही होगी।

4– हृदय रोग के लक्षण होंगे।

प्रभाव

आप अपने जीवन में उन्नति करेंगे और धन इकट्ठा करेंगे। आप समाज में बहुत सम्मानित भी हो सकते हैं, परन्तु जब आपका पुत्र ग्यारह महीने या ग्यारह साल का होता है, तो आपके सम्मान और धन पर ग्रहण लग सकता है। आपके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है। यहां तक कि आप अपना शरीर भी नहीं हिला सकते हैं।

उपाय

आप अपने परिवार के सारे सदस्यों से बारबर मात्रा में धन इक्टठा करें और उस धन से सूर्य यज्ञ करवायें।

चौथे भाव में स्थित सूर्य का विश्लेषण

आपकी कुण्डली में सूर्य चौथे भाव में स्थित है। आप धन संग्रह करते रहेंगे और अन्य लोग इससे लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी संतान करोड़पति होगी। आप किसी नई चीज का अविष्कार करेंगे और इस नयी खोज से आपको लाभ प्राप्त होगा। आपको नये कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। यदि आप अपने पैतृक व्यवसाय के अलाव कोई अन्य कार्य करेंगे तो आपको उसमें अधिक लाभ प्राप्त होगा। आप अपने देश को छोड़ कर विदेश में निवास कर सकते हैं। अपने पिता के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आपको पैतृक सम्पत्ति भी प्राप्त होगी। यदि आप अपने घर पर नल लगवाते हैं या कुँआ बनवाते हैं तो आपको शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आपको मन की शान्ति प्राप्त होगी। आपको अपनी 25 से 50 साल की आयु में बहुत लाभ प्राप्त होगा। पानी, कपड़े और दूध का व्यवसाय आपके लिये बहुत लाभकारी होगा और आप इससे बहुत लाभ कमायेंगे। विशेषकर कपड़े का व्यवसाय आपके लिये बहुत लाभकारी होगा। आप फल देने वाले वृक्ष लगायेंगे। आपका भाग्य आप पर मेहरबान होगा। यदि आप रात में काम करेंगे तो आपको अधिक लाभ प्राप्त होगा। आपको घर संबंधित कोई समस्या नहीं आयेगी। आप समुद्री यात्राओं से लाभ प्राप्त करेंगे। आपको सरकारी विभाग से लाभ प्राप्त होंगे। आपकी पत्नी आपके लिये भाग्यशाली साबित होगी। आपको उनसे लाभ प्राप्त होगा। उन्हें अपने काम में उन्नति प्राप्त होगी। यदि आप वाहन से संबंधित कोई व्यवसाय करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा।

यदि आपमें चोरी करने की आदत हुई, आपने दूसरों के बनते काम बिगाड़े, किसी स्त्री के साथ गलत व्यवहार किया या पराई औरतों के साथ अनैतिक संबंध रखे तो आपका सूर्य कमजोर हो सकता है। यदि आपका सूर्य किसी कारण से कमजोर हो जाता है तो इसका बुरा असर आपके बच्चों पर पड़ सकता है। आपकी माता और बहन को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप बिना किसी कारण के दु:खी रह सकते हैं। आपकी माता चिन्तित रह सकती हैं और उनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रह सकता है। आपको जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। यदि आपने दूसरों के बनते काम बिगाड़े तो आपको अपने कार्य में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है और आपको रक्तचाप की समस्या हो सकती है। आपके माता–पिता के सुख में कमी आ सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज

1– आपको चोरी से दूर रहना चाहिये।
2– महिलाओं के झगडे से दूर रहें।

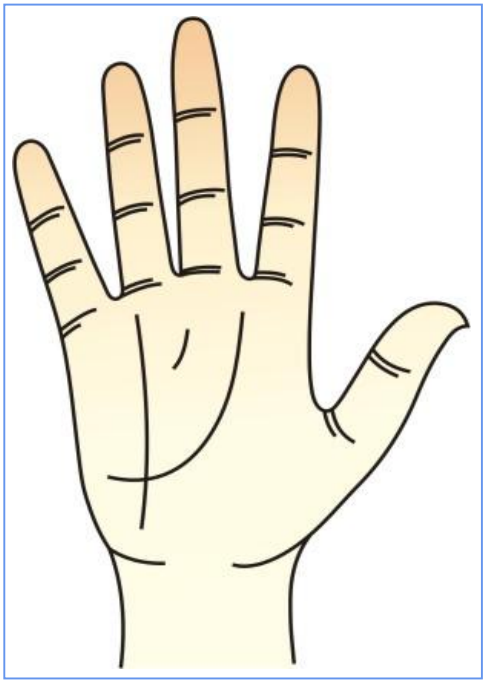

उपाय

1– अन्धों को भोजन दें।
2– शुद्ध सोना पहनें।

पहले भाव में स्थित चन्द्रमा का विश्लेषण

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा पहले भाव में स्थित है। आपका जन्म काफी मिन्नतों के बाद हुआ होगा या आपका जन्म एक से अधिक बहनों के जन्म के बाद हुआ होगा। आपमें सबको आकर्षित करने की क्षमता होगी। आपको सफेद कपड़े पहनना पसन्द होगा। आपका स्वभाव शांत और विनम्र होगा। आप सुंदर होंगे। आप विद्वान होंगे और आपको कई भाषाओं का ज्ञान होगा। आपको पैतृक घर प्राप्त होगा। आप सम्पन्न होंगे और आपको जीवन में धन की कभी कमी नहीं होगी। यदि आपका विवाह 28 साल की आयु में होता है तो आप सारा जीवन सुखी रहेंगे। आपको किसी व्यक्ति की सम्पत्ति या धन प्राप्त होगा और इससे आप धनी हो जायेंगे। जब तक आपकी माता जीवित हैं, आपको धन की कमी नहीं होगी। आप दीर्घायु होंगे। आपको सरकार से सम्मान प्राप्त होगा। आपके जन्म के बाद आपके पिता की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके पिता को व्यापार, आर्थिक लाभ और जीवन से संबंधित शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। यदि आप 24 से 27 साल की आयु के बीच कोई यात्रा करते हैं तो यात्रा से वापस आने के बाद अपनी माता का आशीर्वाद लें। इससे आपकी माता दीर्घायु होंगी। आपको 24 साल की आयु से पहले अपना घर नहीं बनवाना चाहिये। आपकी वृद्धावस्था सुख से पूर्ण होगी।

यदि आप 24 साल से पहले अपना घर बनवाते हैं, 28 साल की आयु में विवाह करते हैं, अपनी आया से झगड़ा करते हैं या गाय को कष्ट देते हैं तो आपका चन्द्रमा कमजोर हो सकता है। यदि आपका चन्द्रमा किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप पानी में डूब सकते हैं। आपको मानसिक शांति नहीं मिल सकती है और आप चिन्तित रह सकते हैं। आपको मानसिक रोग हो सकता है। आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रह सकता है। आपको दिल और ऑख से सम्बन्धित रोग हो सकते हैं। आपको पुत्र का सुख प्राप्त नहीं हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज

1– अपनी माता या बूढ़ी औरतों से झगड़ा न करें।
2– आपको नैतिक मार्ग से विचलित नहीं होना चाहिये।

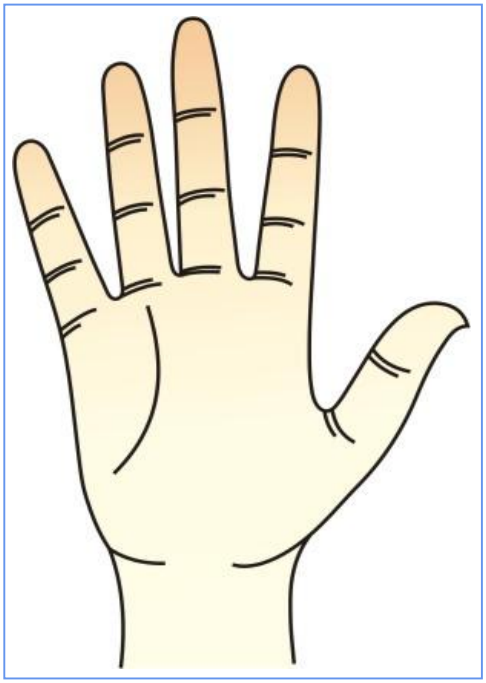

उपाय

1– चांदी के गिलास में पानी या दूध पियें।
2– पीपल के वृक्ष पर जल चढ़ायें।

आठवें भाव में स्थित मंगल का विश्लेषण

आपकी कुण्डली में मंगल आठवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार आप मांगलिक हैं। आपको अपने माता–पिता का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे और आपका वैवाहिक जीवन आनन्दपूर्ण होगा। आप निडर और उत्साही होंगे। परिणामों की परवाह किये बिना आप चुनौतियों का मुकाबला करेंगे। आप न्याय पाने के लिये लड़ाई करने से नहीं हिचकिचायेंगे। आप अपने काम में गहरी रूचि लेंगे और उसे पूरे मन से करेंगे। भगवान आपका जीवन बुरी घटनाओं से बचायेगा। आप बाधाओं का मुकाबला चिन्तित हुये बिना करेंगे। आपको अपने ससुराल वालों से सम्पत्ति प्राप्त होगी। आप अपने शत्रुओं को परास्त करेंगे।

यदि आप विधवा स्त्री के साथ झगड़ा करेंगे, हर समय अपने पास चाकू रखेंगे, लोगों के साथ झगड़ा करेंगे, आपके घर पर जमीन के नीचे कोई भठ्ठी हुई तो आपका मंगल कमजोर हो सकता है। यदि आपका मंगल किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके छोटे भाई को अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। उसके कारण झगड़ा हो सकता है। आपका भाई आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। किसी अचानक दुर्घटना के कारण आपको कोई रक्त संबंधी विकार हो सकता है या कोई नाखून संबंधी रोग हो सकता है। किसी व्यक्ति पर बिना किसी कारण क्रोध करना आपके लिये पश्चाताप का कारण बन सकता है। आपको हानि भी हो सकती है। कोई आप पर आक्रमण कर सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज

1– अपने घर पर जमीन के नीचे कोई भठ्ठी न रखें।
2– तोता न पालें।

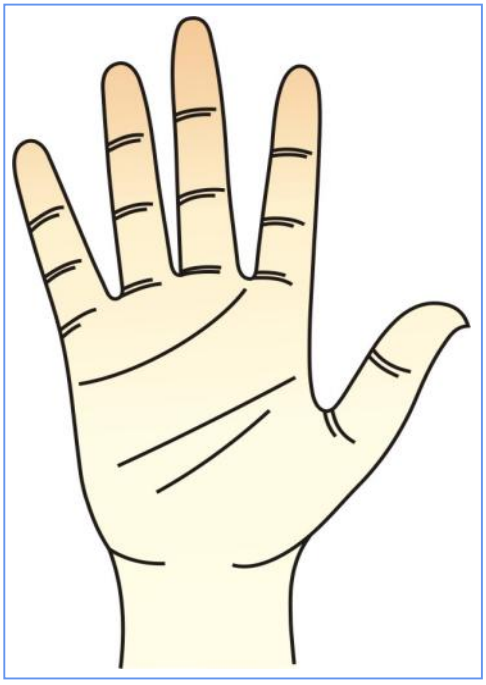

उपाय

1– विधवा का आशीर्वाद लें।
2– तन्दूर में मीठी रोटी पकाकर कुत्ते को खिलायें।

तीसरे भाव में स्थित बुध का विश्लेषण

आपकी कुण्डली में बुध तीसरे भाव में स्थित है। आप सदैव यात्रा करेंगे। आपको चिकित्सा व्यवसाय में यश प्राप्त होगा। आपके मित्र और संबंधी आपकी सहायता करेंगे। आपको कुछ खराब परिणामों के साथ उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आप दूसरों के लिये भाग्यशाली साबित होंगे। जो भी आपसे मिलेगा, उसे लाभ प्राप्त होगा। आपको आय के उत्तम साधन प्राप्त होते रहेंगे। यदि आप फल, खेती, कांसे के बर्तन, पशुपालन से सम्बन्धित व्यवसाय करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आप अपने मामा और संतानों के लिये लाभकारी होंगे। आपको दमा का उपचार करना आता होगा। आप अपने व्यापार में प्रगति करेंगे। आप निडर होंगे, लेकिन झगड़ों से दूर रहेंगे। आपको बुरे कार्यों से घृणा होगी। किसी नये कार्य को आरम्भ करते समय आपके दिमाग में कई विचार आयेंगे और आप जिन पर विश्वास करेंगे, उनसे परामर्श करेंगे। आप अपने दिमाग से भी सोचेंगे।

यदि आप अपनी बुआ, बहन, पुत्री के धन का प्रयोग करेंगे, चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष लगायेंगे, दक्षिणमुखी घर में रहेंगे तो आपका बुध कमजोर हो सकता है। यदि आपका बुध किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपका जीवन बहुत अच्छा नहीं हो सकता है। आपको भाइ–बहनों का सुख नहीं मिल सकता है। आपका उनसे झगड़ा हो सकता है। आपका भाग्य देर से उदय हो सकता है। आपको संतान सुख देर से प्राप्त हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज

1– मामा और बुआ से न लड़ें।
2– चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष न लगायें।

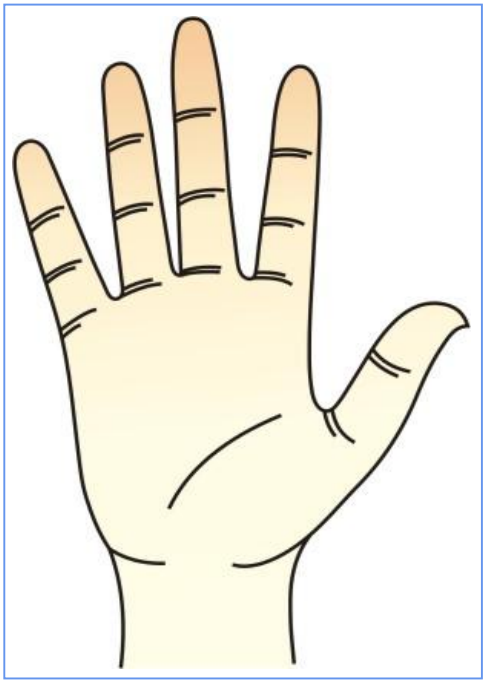

उपाय

1– कन्याओं की सेवा करें या दुर्गा पूजा करें।
2– तोता पालें।

पाँचवें भाव में स्थित गुरू का विश्लेषण

आपकी कुण्डली में बृहस्पति पॉचवें भाव में स्थित है। आपकी संतान प्रगति करेगी। अपनी आयु बढ़ने के साथ–साथ आप भी प्रगति करेंगे। आपकी 16वें साल की आयु के दौरान आपका भाग्य चमकेगा। आप संतान की तरफ से सुखी रहेंगे। आपको 60 साल की आयु तक उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आपको अपनी संतान के जन्म के बाद अपने दादा या पिता से मदद प्राप्त नहीं हो सकती है। आपकी संतान, जिसका जन्म बृहस्पतिवार को होगा, के जन्म के बाद आपका भाग्य चमकेगा। आपको आध्यात्म का परम ज्ञान होगा और आप यश प्राप्त करेंगे। आप व्यापार या लेखन के द्वारा धन कमायेंगे। आप दूसरों की मदद करेंगे। आप धन संग्रह करेंगे और खुश रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में लोग आपको एक प्रधान की तरह मानेंगे।

यदि आप धर्म के विरूद्ध सोचेंगे, धर्म के नाम पर एकत्र किये गये दान का प्रयोग करेंगे, साधुओं से झगड़ा करेंगे तो आपका बृहस्पति कमजोर हो सकता है। यदि आपका बृहस्पति किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप और अधिक क्रोध कर सकते हैं। यदि आप पराई महिलाओं के साथ संबंध रखेंगे तो आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप अधिकारियों के साथ बैर भाव रखेंगे या बिना मोल दिये कोई सामान लेंगे तो आपको हानि हो सकती है। यदि आप मांसाहारी भोजन करेंगे या आलस्य करेंगे तो आपको हानि हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज

1– ईश्वर में आस्था रखें।
2– नाव से किसी तरह का कोई संबंध न रखें।

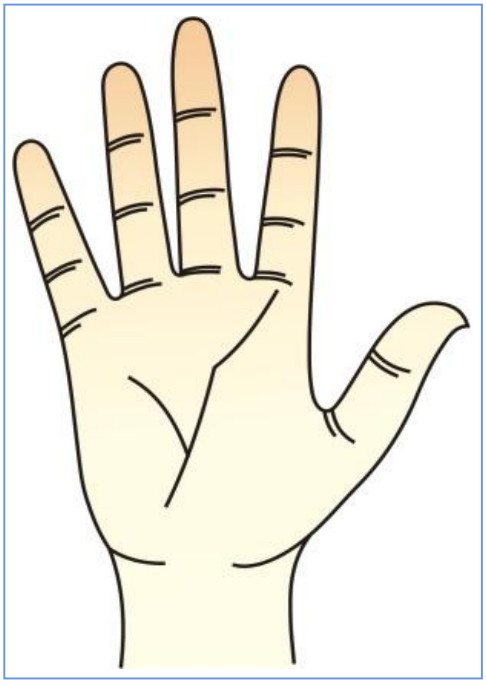

उपाय

1–साधुओं की सेवा करें।
2–धर्मशाला या धार्मिक स्थान को साफ करें।

पाँचवें भाव में स्थित शुक्र का विश्लेषण

आपकी कुण्डली में शुक्र पॉचवें भाव में स्थित है। आप विद्वान होंगे। आप अपने शत्रुओं को परास्त करेंगे। आपको संतान सुख की प्राप्ति होगी। अपनी पत्नी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे और आपका वैवाहिक जीवन आनन्दपूर्ण होगा। आपकी पत्नी वफादार होंगी। आपको सफेद रंग की वस्तुओं से लाभ प्राप्त होगा। आप अपने समुदाय से प्रेम करेंगे। आपके विवाह के 5 साल बाद आपको धन और नौकरों का बहुत सुख प्राप्त होगा। आपको अपने व्यवसाय में उन्नति प्राप्त होगी। जब तक आपकी पत्नी जीवित हैं, आपको किसी प्रकार का अभाव नहीं होगा। आपका धन बढ़ेगा। आप अपने परिवार और देश से प्रेम करेंगे। आप अपने भाई के लिये अनुकूल होंगे। आप जीवन में बाधाओं का सामना नहीं करेंगे। आपका जीवन आनन्द और शांति से पूर्ण होगा।

यदि आपने अपना चरित्र खराब किया, अपने माता–पिता की इच्छा के विरूद्ध विवाह किया तो आपका शुक्र कमजोर हो सकता है। यदि आपका शुक्र किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप कामुक हो सकते हैं और इस कारण से आपके सुख में बाधा पहुँच सकती है। यदि आपकी संगति बुरी हुई या आप प्रेम प्रसंग में पड़े तो भाग्य आपका साथ नहीं दे सकता है। आपके कारण आपके मित्रों को परेशानी हो सकती है। आप दोहरी प्रकृति वाले व्यक्ति होंगे। आपकी पत्नी का गर्भपात हो सकता है या आपको संतान प्राप्ति में देरी हो सकती है। यदि आप प्रेम विवाह करते हैं तो आपको पुत्र की प्राप्ति नहीं हो सकती है। आपकी बहन या बुआ के धन का नाश हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज

1– महिलाओं के लिये दीवाने न हों।
2– अपने माता–पिता की इच्छा के विरूद्ध विवाह न करें।
3– प्रेम या अन्तर्जातीय विवाह न करें।

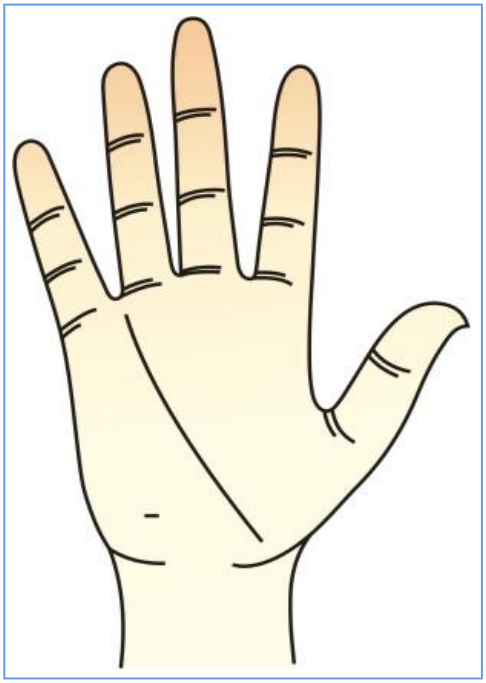

उपाय

1– अपने शरीर पर दही या दूध मलकर स्नान करें।
2– गाय की सेवा करें।

दसवें भाव में स्थित शनि का विश्लेषण

आपकी कुण्डली में शनि दसवें भाव में स्थित है। आप महत्वाकांक्षी होंगे। आपको सरकार से लाभ प्राप्त होगा। यदि आप दूसरों का आदर करेंगे तो आपको भी सम्मान मिलेगा। प्रत्येक 7 साल की अवधि के बाद आपका धन बढ़ेगा। आपकी आयु के प्रत्येक 3 साल आपके लिये लाभकरी होंगे। आप धार्मिक और सद्‌गुणी व्यक्ति होंगे, लेकिन अपनी वृद्धावस्था के दौरान आप निकम्मे हो सकते हैं। आपके ससुराल वालों का धन भी बढ़ेगा। आपको उत्तम वाहन का सुख प्राप्त होगा। यदि आप अपना व्यवसाय एक स्थान पर करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आप मेहनती होंगे और अपना भाग्य स्वयं लिखेंगे। आप 39 साल की आयु तक पिता का उत्तम सुख प्राप्त करेंगे। 3रा, 4था, 9वॉ, 21वॉ, 33वॉ, 40वॉ और 57वॉ साल आपके जीवन का बहुत लाभकरी होगा। आपका धन, प्रगति और सम्मान इन सालों में 10 गुना बढ़ेगा।

यदि आप 48 साल की आयु के पहले घर बनाते हैं, मांस–मदिरा का सेवन करेंगे, अपना चरित्र खराब करेंगे, यात्रा वाला व्यवसाय करेंगे तो आपका शनि कमजोर हो सकता है। यदि आपका शनि किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके माता–पिता, जीवनसाथी और ससुराल वालों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको हानि हो सकती है या आपकी प्रगति रूक सकती है। आपका धन और सम्मान लुप्त हो सकता है। आपके जीवन का 27वॉ साल अशुभ हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज

1– मांस–मदिरा का सेवन न करें।
2– भाग–दौड़ के काम न करें।

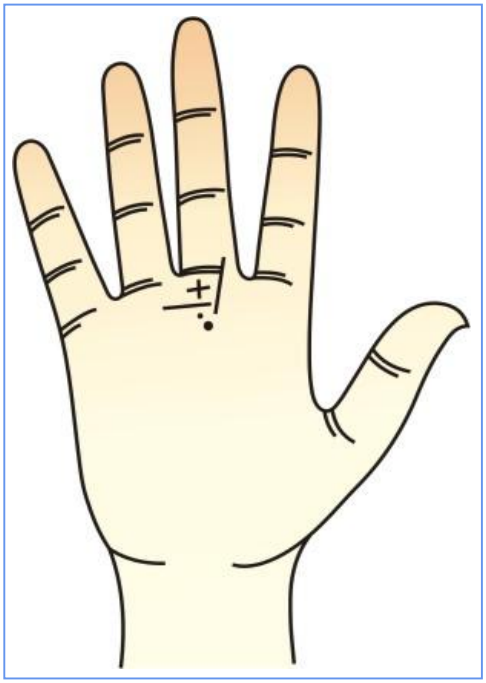

उपाय

1– अपने पास हथियार न रखें।
2– अपने मस्तक पर केसर का तिलक लगायें।

चौथे भाव में स्थित राहु का विश्लेषण

आपकी कुण्डली में राहु चौथे भाव में स्थित है। आप सद्गुणी, धनी और दीर्घायु होंगे। आप तीर्थस्थानों की यात्रा करेंगे। आप सज्जन होंगे और आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगे। आप बड़ी सम्पत्ति के मालिक होंगे। आपको अपने संबंधियों से धन और सम्पत्ति प्राप्त होगी। आप दूसरों की मदद करेंगे और लोग आपको परोपकारी व्यक्ति मानेंगे। आप दयालु होंगे और आपको वाहन का सुख प्राप्त होगा। आप अपनी बहन और पुत्री के लिये धन खर्च करेंगे। आपको अपने ससुराल से धन और लाभ प्राप्त होते रहेंगे। आपके ससुराल वालों का धन बढ़ेगा। आप 24 साल की आयु के बाद धन संग्रह करेंगे। आपके पिता और संतान को उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे, परन्तु आपकी माता के साथ ऐसा नहीं हो सकता है। आपको भूमि, भवन, वाहन और जीवन के अन्य सुख प्राप्त होंगे। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं तो आप अपने विभाग में एक उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको बन्दूक या पिस्तौल रखने का शौक होगा।

यदि आपने पूजा का स्थान बदला, लकड़ी का कोयला अपने घर की छत पर रखा, सीढ़ियों के नीचे रसोई बनायी, अपनी माता की उम्र की महिलाओं के साथ संबंध रखा तो आपका राहु कमजोर हो सकता है। यदि आपका राहु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपको 34 साल की आयु के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी माता को भी परेशानी हो सकती है। आपके ससुराल और ननिहाल वालों को अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आप अपनी रखैल पर धन बर्बाद करने के बाद अपना जीवन बर्बाद कर सकते हैं। आप किसी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं। आप शेखचिल्ली की तरह दिन में सपने देख सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज

1– अपनी माता की उम्र की महिलाओं के साथ अनैतिक संबंध न रखें।
2– गंगा स्नान करें।

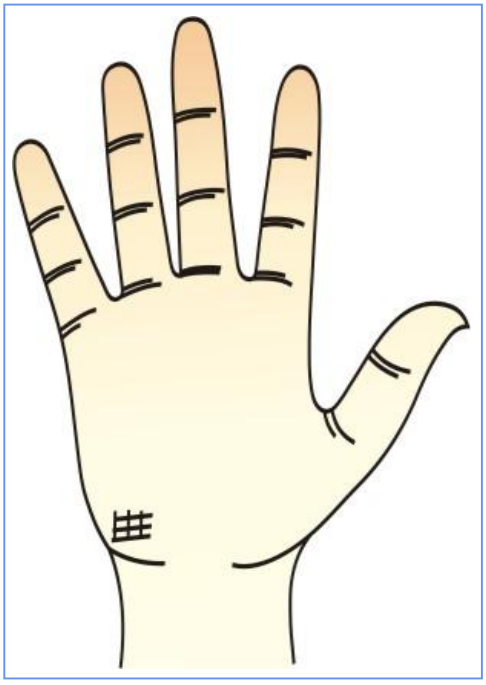

उपाय

1–घर पर गंगा जल से स्नान करें।
2–पानी में सूखा धनिया प्रवाहित करें।

दसवें भाव में स्थित केतु का विश्लेषण

आपकी जन्मकुंडली में केतु दसवें घर में स्थित है। आप धनवान होंगे और हर तरह की सुख–सुविधाओं से परिपूर्ण होंगे। आपका जीवन खुशहाल होगा और आपको संतान सुख की प्राप्ति होगी। आपको पुत्र संतान की तुलना में कन्या संतान से अधिक सुख प्राप्त होगा। आप खेल जगत में विश्व प्रसिद्ध बन कर ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। आपके धन में बढ़ोत्तरी होगी। आप शंकालु स्वभाव वाले हो सकते हैं। आपके जीवन में 40 वर्ष की आयु तक समय मिला–जुला फल देगा। इसके बाद का समय बहुत ही शुभ और सुखकारक सिद्ध होगा। आपकी आर्थिक स्थिति पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। कुल मिलाकर आपका जीवन सुखमय रहेगा।

यदि आपने अपने भाई से झगड़ा किया, पराई स्त्रियों से अनैतिक संबंध रखे तो आपका केतु मंदा हो सकता है। यदि किसी कारण वश केतु मंदा हो गया तो आपका चाल–चलन ठीक नहीं हो सकता है। आप या तो नपुंसक हो सकते हैं या आपकी पुत्रियां अधिक हो सकती या आपको पुरुष संतान नहीं हो सकती है या संतान गोद लेने की नौबत आ सकती है। इसकी वजह से आपको बहुत परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। आपके भाई आपको बर्बाद कर सकते हैं या आपके धन का दुरुपयोग कर सकते हैं। पराई औरत के साथ संबंध आपके दाम्पत्य सुख में बाधा पहुंचा सकता है। यह आपके जीवन के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। आपको 48 वर्ष की आयु के आस–पास या माता की मौत के बाद पुत्र सुख मिल सकता हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज

1– चाल–चलन ठीक रखें।
2– कुत्तों से नफरत न करें।

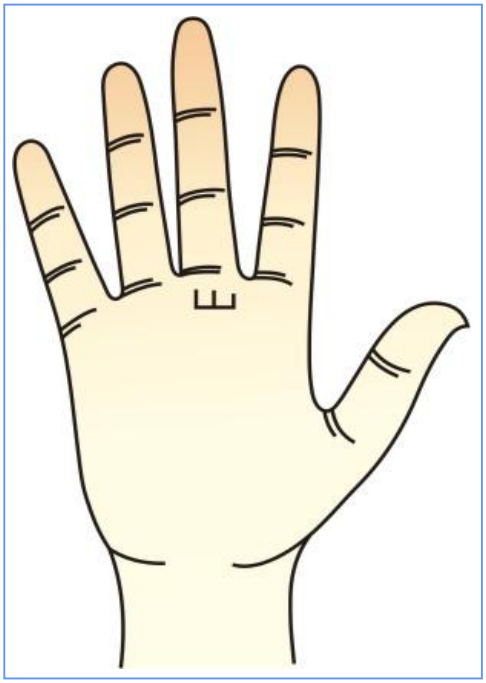

उपाय

1– मकान की नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2– घर में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।

लाल किताब समय–चक्र

5 वर्ष के लिए

01/01/2022 - 31/12/2026

Name - Ajit K Singh

Date - 18/12/1973 Time - 01:45:00

POB - Ballia (up), INDIA

Longitude - 084:10:00 E

Latitude - 025:45:00 N

PAWAN KUMAR VERMA

ASTRO RESEARCH CENTER

Contact - 9417311379

© RED ASTRO 11 Professional

लाल किताब समय–चक्र

01:01:2022 से 09:02:2022 (शनि/शनि/सूर्य)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, शनि और सूर्य के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

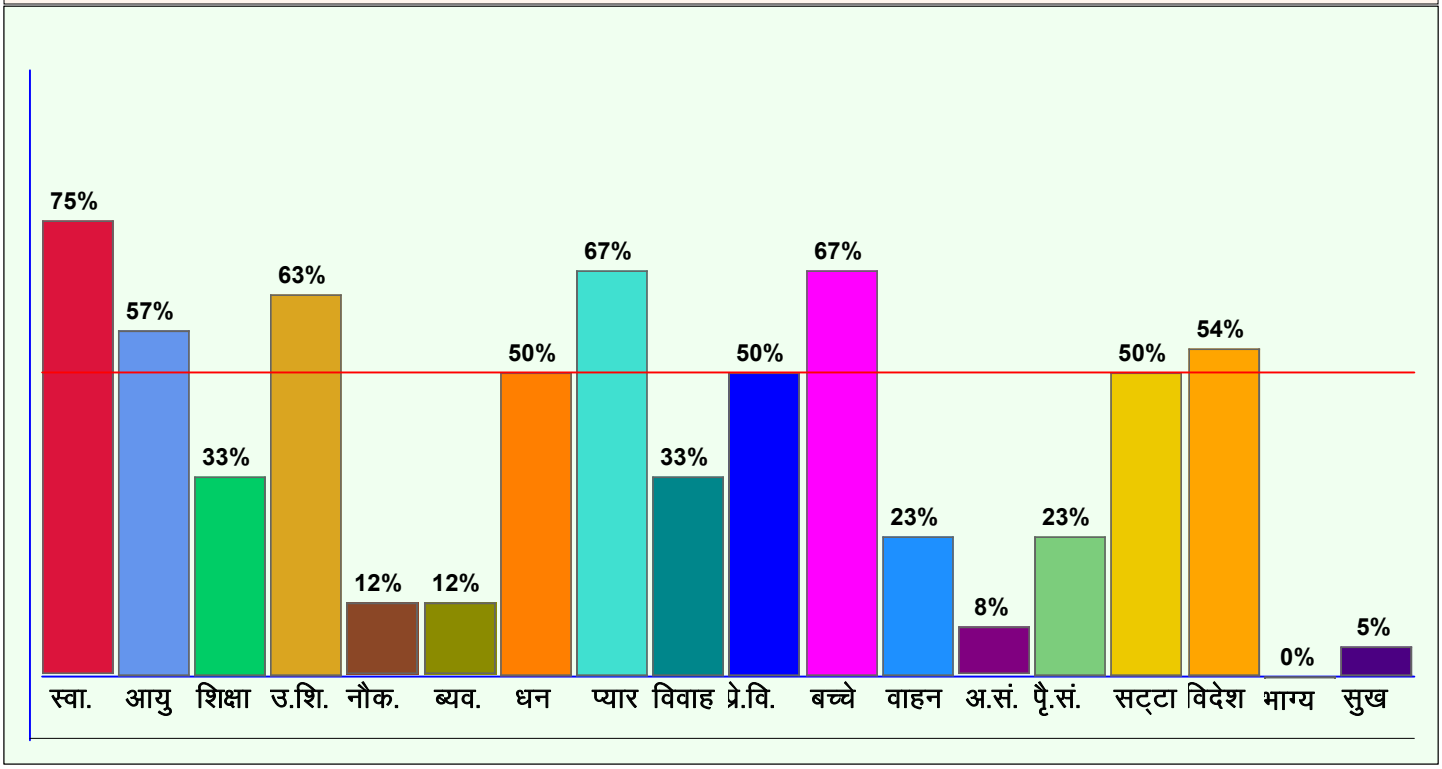

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य
आयु	आयु
शिक्षा	शिक्षा
उ.शि.	उच्च शिक्षा
नौक.	नौकरी/पदोन्नति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय
धन	धन–दौलत
प्यार	प्यार/रोमांस
विवाह	विवाह

प्रे.वि.	प्रेम विवाह
बच्चे	संतान/बच्चे
वाहन	वाहन
अ.सं.	अचल संपत्ति
पै.सं.	पैतृक संपत्ति
सट्टा	विदेश संबन्धित
विदेश	विदेश संबन्धित
भाग्य	भाग्य
सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 01:01:2022 से 09:02:2022 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आपका स्वास्थ्य सामान्यतः ठीक रहेगा, किन्तु आपके मन में हमेशा वहम व्याप्त रहेगा। परिवार एवं समाज में आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी, आपकी उन्नति होगी तथा धन–संपत्ति में भी वृद्धि होती रहेगी। आपको सरकार से या सरकारी विभाग में लाभ होगा। आपको अपने सिर के सफेद बालों को काले रंग में डाई नहीं करना चाहिए, लेकिन आप ब्राउन कलर में डाई कर सकते हैं। यदि आप अपनी गलतियों या मुसीबतों के बारे में किसी को बताएंगे तथा अपनी कमजोरियों को किसी के सामने उजागर करेंगे, तो आपका समय बहुत खराब हो जाएगा। अपने पैतृक मकान में लगे हैंड पम्प को बंद नहीं करना चाहिए। आपको अपने ससुराल में निवास नहीं करना चाहिए अथवा उनसे बिजली का सामान नहीं लेना चाहिए, अन्यथा आपको हानि होगी। लोहा, लकड़ी, मकान, मशीनरी आदि से संबंधित काम ना करें। ससुराल वालों के साथ साझेदारी ना करें। धन–संपत्ति एवं मान–सम्मान के लिए अपने सिर को नंगा न रखें तथा सिर पर काले या नीले रंग की पगड़ी या टोपी न पहनें। आप अपने माता या पिता के सुख के संदर्भ में चिंतित रहेंगे। आपका अत्यधिक क्रोधित होना आपके धन व संतान की बर्बादी का कारण बनेगा। आपका नंगा सिर रखना या सिर पर काली पगड़ी या टोपी धारण करने से धन–संपत्ति और मान–सम्मान की चिंता रहेगी।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

अपने सिर पर शरबती या हल्के बादामी या सफेद रंग की पगड़ी या टोपी पहनें। भूरी भैंस पालें या नेवला पालें या उसकी सेवा करें। तांबे का एक पैसा प्रतिदिन लगातार 43 दिनों तक जल में प्रवाहित करें। अपने घर में गंगाजल या किसी दरिया का पानी रखें।

लाल किताब समय–चक्र

09:02:2022 से 11:05:2022 (शनि/शनि/चन्द्रमा)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, शनि और चन्द्रमा के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

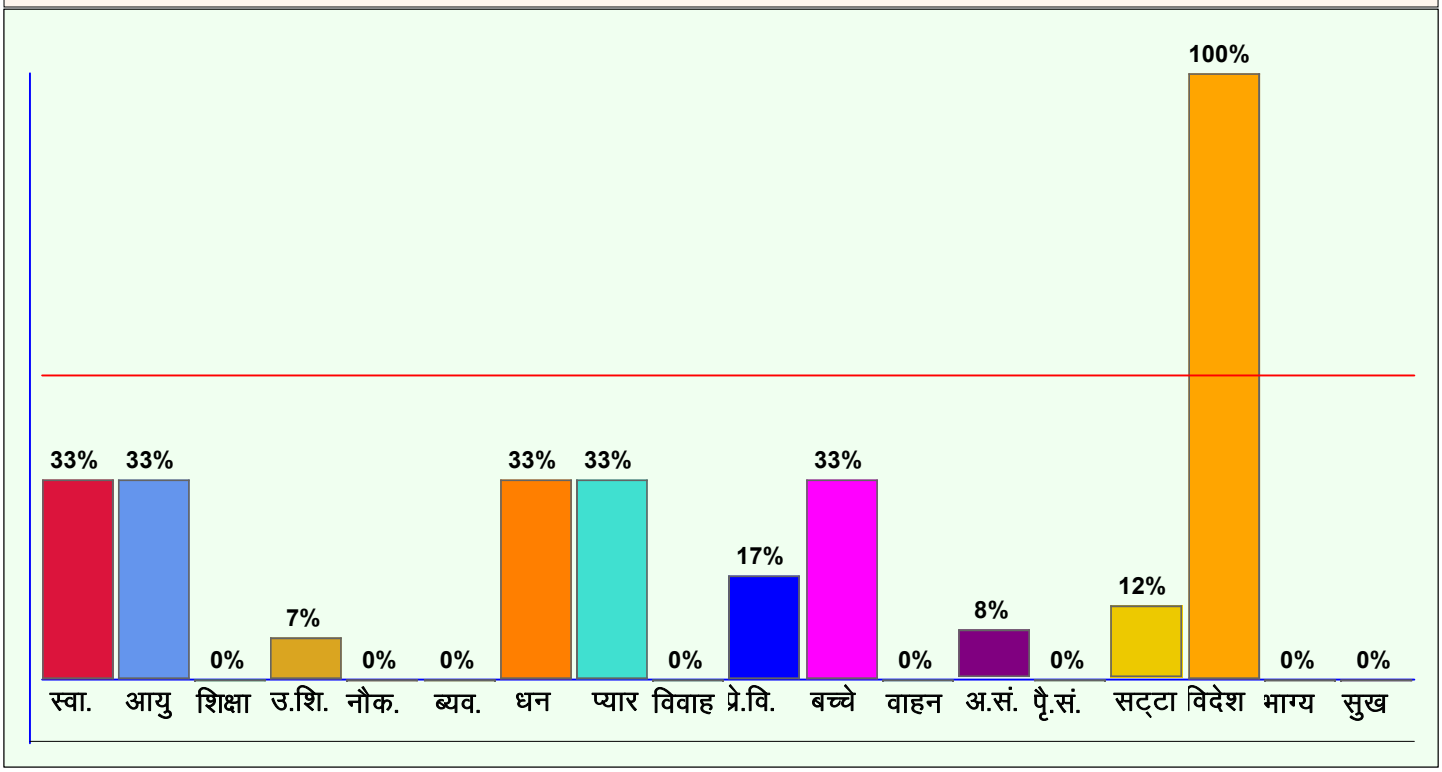

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य
आयु	आयु
शिक्षा	शिक्षा
उ.शि.	उच्च शिक्षा
नौक.	नौकरी/पदोन्नति
व्यव.	व्यापार/व्यवसाय
धन	धन–दौलत
प्यार	प्यार/रोमांस
विवाह	विवाह

प्रे.वि.	प्रेम विवाह
बच्चे	संतान/बच्चे
वाहन	वाहन
अ.सं.	अचल संपत्ति
पै.सं.	पैतृक संपत्ति
सट्टा	विदेश संबन्धित
विदेश	विदेश संबन्धित
भाग्य	भाग्य
सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 09:02:2022 से 11:05:2022 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आपकी किस्मत राजा के समान होगी तथा धार्मिक कार्यों में बढ़–चढ़ कर भाग लेंगे। संतान की परवरिश करने और धार्मिक रहने पर आपके धन–दौलत में वृद्धि होगी। आप जिसके पक्ष में खड़े हो जाएंगे, लड़ाई–झगड़े में जीत उसी पक्ष की होगी। आप किसी के भी आगे झुकना गंवारा नहीं करेंगे तथा संकट के समय में आपकी संतान आपके शत्रुओं को पराजित कर देगी। आपको किसी के पाप कर्म में साथ नहीं देना चाहिए अथवा गुप्त पाप नहीं करना चाहिए। यदि आप धार्मिक कार्यों का विरोध करते हैं तथा लालच व स्वार्थपूर्ण स्वभाव रखते हैं, तो आपकी बर्बादी होगी। आपको कोई भी काम बिना किसी के सलाह के नहीं करना चाहिए। अपना भेद, अपनी कमजोरी या अपनी गलती किसी दूसरे को ना बताएं, अन्यथा आपको हानि व पराजय का सामना करना पड़ेगा। किसी को भी अपशब्द ना बोलें या किसी का बुरा ना करें। कभी किसी चकोर (चकवा–चकवी) का शिकार ना करें। आपको समुद्री यात्रा या समुद्र से संबंधित कार्यों से लाभ नहीं होगा। दूसरों को अपशब्द बोलना आपके पराजय व हानि का कारक होगा।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

घर से बाहर जाते समय मीठा भोजन खाकर जाएं और अपने साथ भी मीठा भोजन लेकर जाएं। इस साल अपने जन्मदिन के बाद पर्वतीय क्षेत्र का भ्रमण करने जाएं।

लाल किताब समय–चक्र

11:05:2022 से 14:07:2022 (शनि/शनि/मंगल)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, शनि और मंगल के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

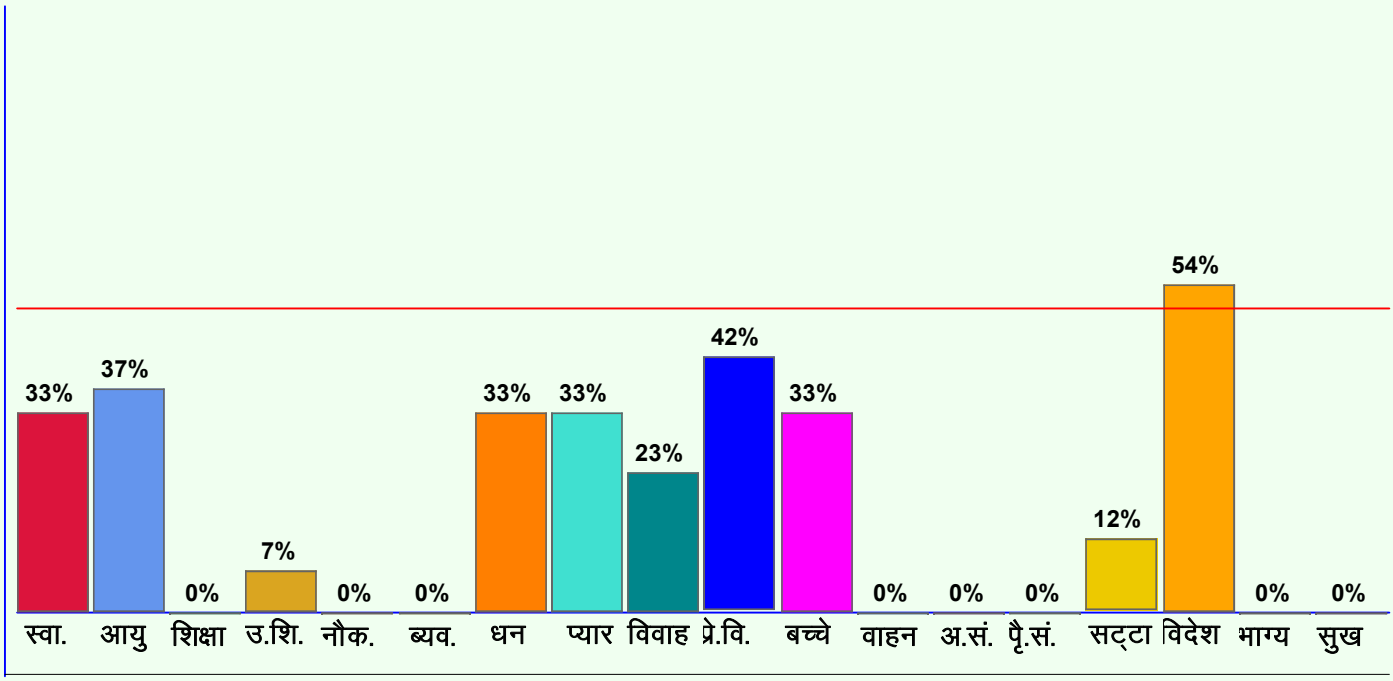

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य	प्रे.वि.	प्रेम विवाह
आयु	आयु	बच्चे	संतान/बच्चे
शिक्षा	शिक्षा	वाहन	वाहन
उ.शि.	उच्च शिक्षा	अ.सं.	अचल संपत्ति
नौक.	नौकरी/पदोन्नति	पै.सं.	पैतृक संपत्ति
व्यव.	व्यापार/व्यवसाय	सट्टा	विदेश संबन्धित
धन	धन–दौलत	विदेश	विदेश संबन्धित
प्यार	प्यार/रोमांस	भाग्य	भाग्य
विवाह	विवाह	सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 11:05:2022 से 14:07:2022 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आप न्यायप्रिय स्वभाव के व्यक्ति होंगे और आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप कड़ी मेहनत करेंगे, इसकी चिंता किए बिना की आपको मेहनत से सफलता मिलेगी या नहीं। आपके परिवार में समृद्धि होगी। आप किसी पर अत्याचार होते हुए देख नहीं सकेंगे तथा आपका शत्रु चाहे कितना भी शक्तिशाली हो उसको पराजित करने में सफल होंगे। यदि आपके घर में जमीन के अन्दर तन्दूर या भट्ठी बनी है या आप विधवा स्त्री के साथ लड़ाई–झगड़ा करते हैं, तो यह आपके लिए अशुभ फलदायक होगा। दक्षिणाभिमुख मकान में निवास ना करें, इससे धन व संतान की चिंता रहेगी। किसी भी विधवा स्त्री का अभिशाप ना लें तथा अपने पास हथियार ना रखें। आप अपनी माता को लेकर चिंतित हो सकते हैं, या आपकी माता या पिता दुःखी रहेंगे। आपके ताया, मामा या बडे भाई को कष्ट या परेशानी होगी। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे या लम्बी बीमारी से ग्रसित हो सकते हैं। भाग्य आपका साथ नहीं देगा तथा आप नास्तिक व बदनाम हो सकते हैं। यदि आपका कोई छोटा भाई है, तो उसकी चिंता रहेगी या उसकी बाहों में कष्ट हो सकता है अथवा उसको रक्त विकार हो सकता है।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

विधवा स्त्री को बर्फी खिलाएं और उसका आशीर्वाद लें। रोगादि से बचने के लिए रोटी का तवा गर्म होने पर पहले उस पर पानी के छींटे दें फिर रोटी पकायें। गले में चांदी की चैन पहनें। तन्दूर में पकी गुड़ वाली मीठी रोटियां कुत्तों को खिलाएं। बकरी पालें या उनकी सेवा करें।

लाल किताब समय–चक्र

14:07:2022 से 26:12:2022 (शनि/शनि/राहु)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, शनि और राहु के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

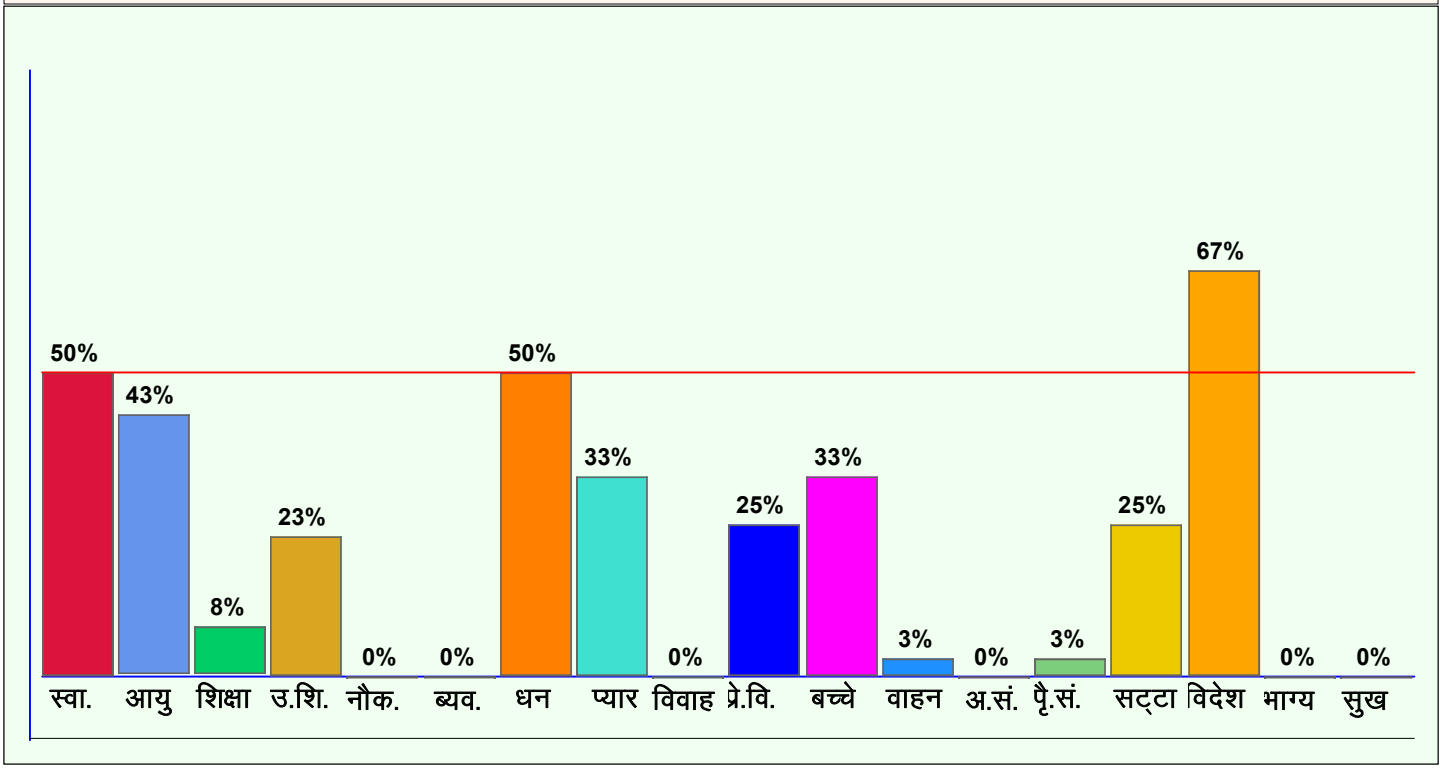

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य
आयु	आयु
शिक्षा	शिक्षा
उ.शि.	उच्च शिक्षा
नौक.	नौकरी/पदोन्नति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय
धन	धन–दौलत
प्यार	प्यार/रोमांस
विवाह	विवाह

प्रे.वि.	प्रेम विवाह
बच्चे	संतान/बच्चे
वाहन	वाहन
अ.सं.	अचल संपत्ति
पै.सं.	पैतृक संपत्ति
सट्टा	विदेश संबन्धित
विदेश	विदेश संबन्धित
भाग्य	भाग्य
सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 14:07:2022 से 26:12:2022 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आपको राहु का शुभ–अशुभ दोनों तरह का मिश्रित फल मिलेगा। आपके घर–परिवार में सुख के साधनों में वृद्धि होगी। आपको नौकरी में पदोन्नति मिलेगी या व्यापार में लाभ होगा, जो भी प्रगति होगी दो गुनी होगी। आपको हर जगह मान–सम्मान मिलेगा। आपको अपने सिर के सफेद बाल काले रंग में डाई नहीं करना चाहिए, यदि रंगना हो, तो लाईट ब्राउन कर सकते हैं। काला नंगा सिर नहीं रखना चाहिए। अपने अधिकारी से झगड़ा नहीं करना चाहिए। किसी धर्म स्थान की यात्रा ना करें। मादक पदार्थों का सेवन ना करें। संकीर्ण सोच ना रखें या कंजूसी ना करें। अपने घर–परिवार से संबंध ना तोड़ें। आपकी माता के लिए अशुभ फलदायक हो सकता है। आपकी धन–संपत्ति, आयु एवं स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। आपको पैतृक संपत्ति की चिंता रहेगी। आपके सिर पर चोट लग सकती है, आंखें कमजोर हो सकती हैं या मानसिक परेशानी हो सकती है। एक के बाद एक परेशानी खड़ी हो सकती है। आपके धन की बहुत हानि होगी, धन की फिजूलखर्ची होगी, सोना लोहे में और लोहा मिट्टी में बदल जायेगा।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

10 अंधे व्यक्तियों को एक दिन में या एक अंधे व्यक्ति को 10 दिनों तक लगातार 4–4 बूंदी के लड्डू खिलायें। अपने सिर पर हल्के बादामी/शरबती या सफेद रंग की पगड़ी या टोपी पहनें। सफेद कपड़े में जौ बांधकर अपने घर में किसी अंधेरी जगह में भार के नीचे दबायें।

लाल किताब समय–चक्र

26:12:2022 से 21:05:2023 (शनि/शनि/गुरू)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, शनि और गुरू के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

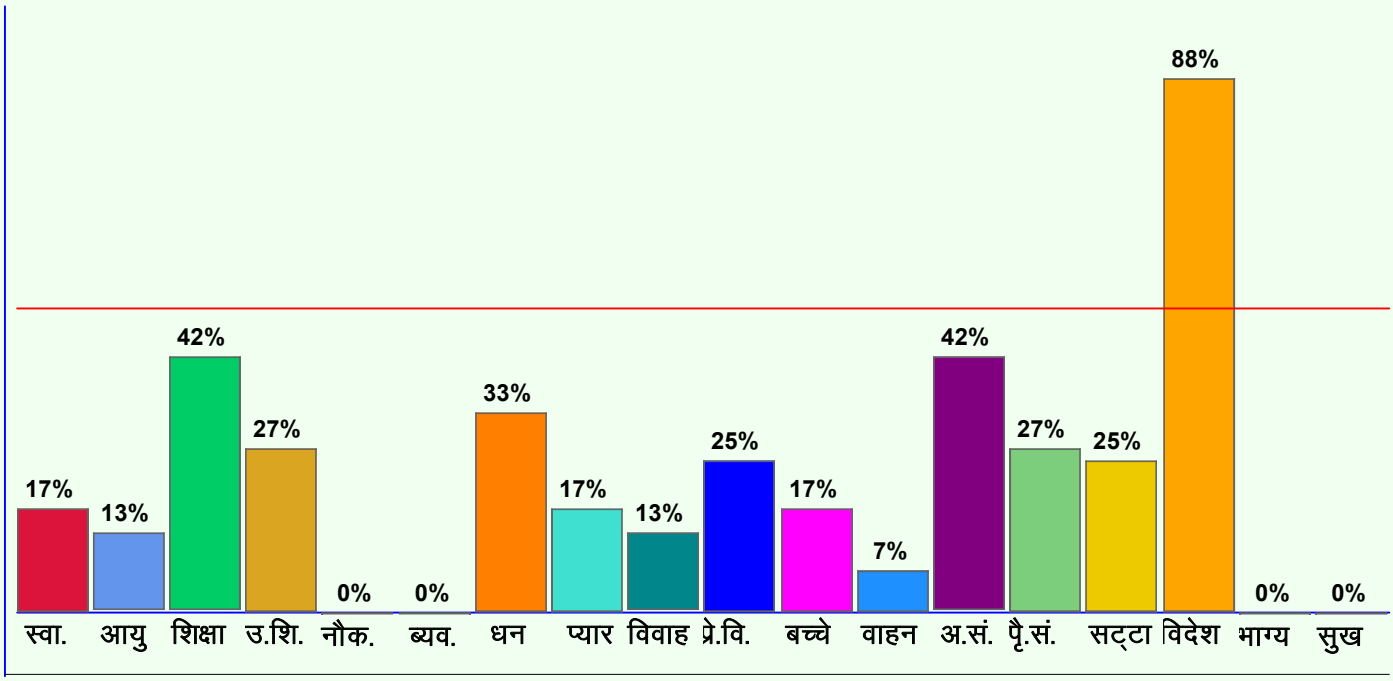

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य	प्रे.वि.	प्रेम विवाह
आयु	आयु	बच्चे	संतान/बच्चे
शिक्षा	शिक्षा	वाहन	वाहन
उ.शि.	उच्च शिक्षा	अ.सं.	अचल संपत्ति
नौक.	नौकरी/पदोन्नति	पै.सं.	पैतृक संपत्ति
व्यव.	व्यापार/व्यवसाय	सट्टा	विदेश संबन्धित
धन	धन–दौलत	विदेश	विदेश संबन्धित
प्यार	प्यार/रोमांस	भाग्य	भाग्य
विवाह	विवाह	सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 26:12:2022 से 21:05:2023 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आप न्यायप्रिय और साफ हृदय के व्यक्ति होंगे। ईमानदारी से अर्जित धन से उन्नति होगी तथा जीवन सुखद होगा। परिवार में साथ रहने तथा संतान के जन्म से उत्तम फल मिलेगा। आपकी संतान दीर्घायु होगी एवं उसका सुख मिलेगा। भाई–बन्धु व ससुराल से लाभ मिलेगा। आप हर व्यक्ति को उसकी बातों से जांच लेंगे तथा जिसकी सहायता करना चाहेंगे, उसका पूरी तरह से उद्धार करेंगे। आपके शत्रु बर्बाद होंगे अथवा आपके डर से उनकी नींद हराम होगी। सरकार या सरकारी विभाग से आपको लाभ होगा। अपने भाई–बन्धुओं को धोखा ना दें। पीपल का पेड़ ना कटवाएं। यदि आप अनुचित तरीके से धन संग्रह करते हैं, तो कभी धनवान नहीं बन सकेंगे। धर्म के विरूद्ध कोई कार्य ना करें और ना ही धर्म स्थान का निरादर करें। आपके घर में या आस–पास पीपल का सूखा पेड़ नहीं होना चाहिए। अपने घर में बने मंदिर को बन्द करके नहीं रखना चाहिए। यदि आप अपनी खुशामद करवाते हैं, तो आपकी ताकत कम होगी। किसी भी धर्म के विरूद्ध कोई कार्य नहीं करना चाहिए। आप झगड़ालू स्वभाव के, डरपोक या भाग्यहीन हो सकते हैं तथा आपमें गप्पें हांकने की आदत हो सकती है। आपके मामा व संतान को कष्ट हो सकता है। संभवतः आप किसी बीमारी से पीड़ित हो सकते हैं तथा लड़ाई–झगड़े, मुकदमे आदि में उलझे रहने की भी संभावना रहेगी।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

दुर्गा चालीसा या दुर्गा पाठ या दुर्गा स्तुति करें। 9 वर्ष से छोटी कन्याओं को दोपहर 4 बजे मीठा भोजन जैसे दूध वाला हलवा या लाल बुंदी या बेकरी के मीठे बिस्कुट खिलाएं।

लाल किताब समय–चक्र

21:05:2023 से 08:10:2023 (शनि/बुध/बुध)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, बुध और बुध के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

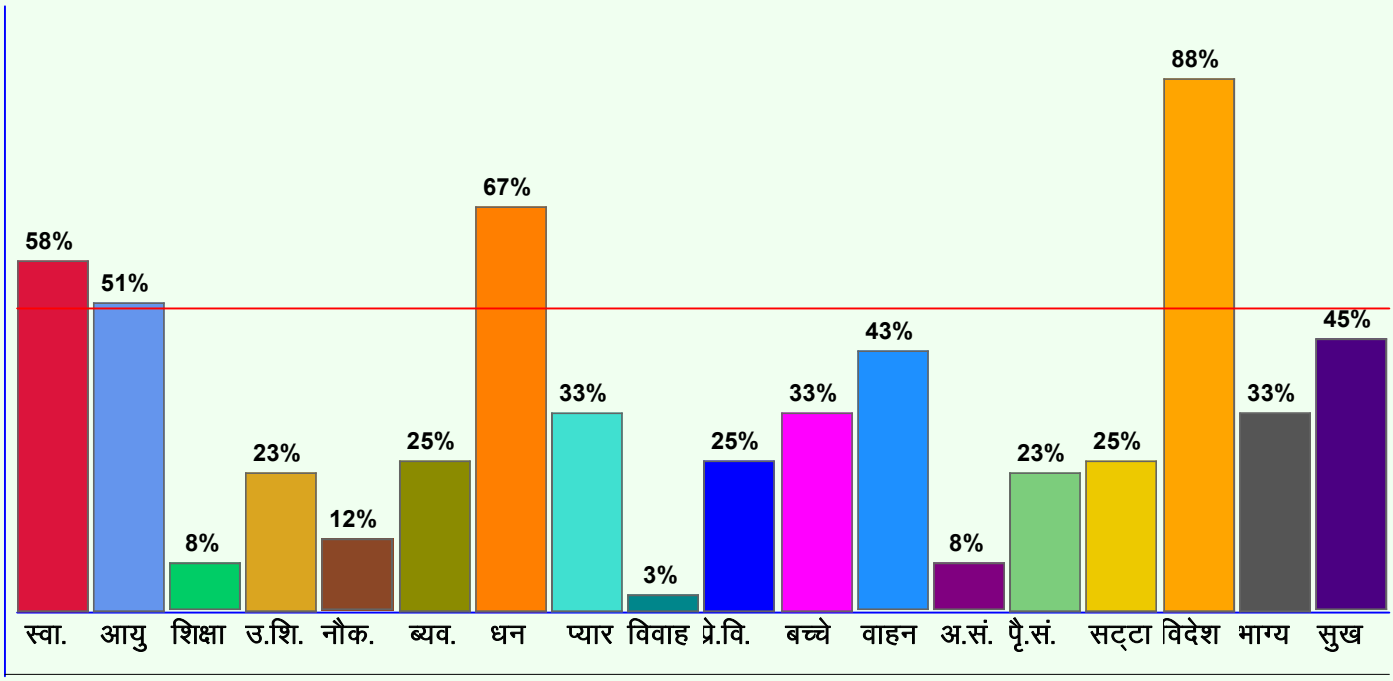

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य
आयु	आयु
शिक्षा	शिक्षा
उ.शि.	उच्च शिक्षा
नौक.	नौकरी/पदोन्नति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय
धन	धन–दौलत
प्यार	प्यार/रोमांस
विवाह	विवाह

प्रे.वि.	प्रेम विवाह
बच्चे	संतान/बच्चे
वाहन	वाहन
अ.सं.	अचल संपत्ति
पै.सं.	पैतृक संपत्ति
सट्टा	विदेश संबन्धित
विदेश	विदेश संबन्धित
भाग्य	भाग्य
सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 21:05:2023 से 08:10:2023 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आप लालची स्वभाव के होंगे, लेकिन आपकी ऊंची सोच आपका भाग्य बदल देगी। आप पर दूसरे लोगों का प्रभाव शीघ्र होगा और आपके मुंह से निकली बात भी दूसरों पर छाप छोड़ेगी। आपकी रूचि संगीत व गायन में होगी। आपको सरकार या सरकारी अधिकारी से लाभ हो सकता है। आपको ससुराल से धन लाभ होगा। आप धर्म–कर्म के काम नहीं भी करेंगे, तो भी आपको मान–सम्मान, धन–संपत्ति मिलती रहेगी, आपका कारोबार बन्द नहीं होगा। विदेश से संबंधित कार्य या विदेश में नौकरी से लाभ होगा। लड़कियों को सभी प्रकार की सुख–सुविधाएं प्राप्त होंगी। यदि आप मांस–मदिरा का सेवन करेंगे, तो संतान और ससुराल की चिंता रहेगी। यदि आपके मुंह में 30 से कम या 32 से अधिक दांत हैं, तो यह बहुत अशुभ फलदायक होगा। दर्द भरे गीत गाने या सुनने का शौक ना रखें तथा अपने मन में पापपूर्ण या नास्तिक विचार ना पनपने दें। जादू–टोना, तंत्र–मंत्र आदि में रूचि ना रखें। बुरे लोंगों की संगति में ना रहें और बुरे काम ना करें। घुम–फिर कर करने वाले काम करने से आपको हानि होगी। अंडा या अंडे से बनी वस्तुएं ना खाएं। आपको ससुराल या संतान सुख की चिंता हो सकती है। नशे आदि में लिप्त रहने पर आपके धन और मान–सम्मान की हानि होगी। आप शरारती स्वभाव के होंगे तथा बदनामी होने का भय रहेगा। आपको त्वचा रोग या पैरों में रोग या दर्द हो सकता है।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

घर आए मेहमानों को दूध, पानी आदि अवश्य पिलाएं। धार्मिक संस्कारों को निभाएं और धार्मिक स्थलों में दान–पुण्य करते रहें।

लाल किताब समय–चक्र

08:10:2023 से 04:12:2023 (शनि/बुध/केतु)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, बुध और केतु के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

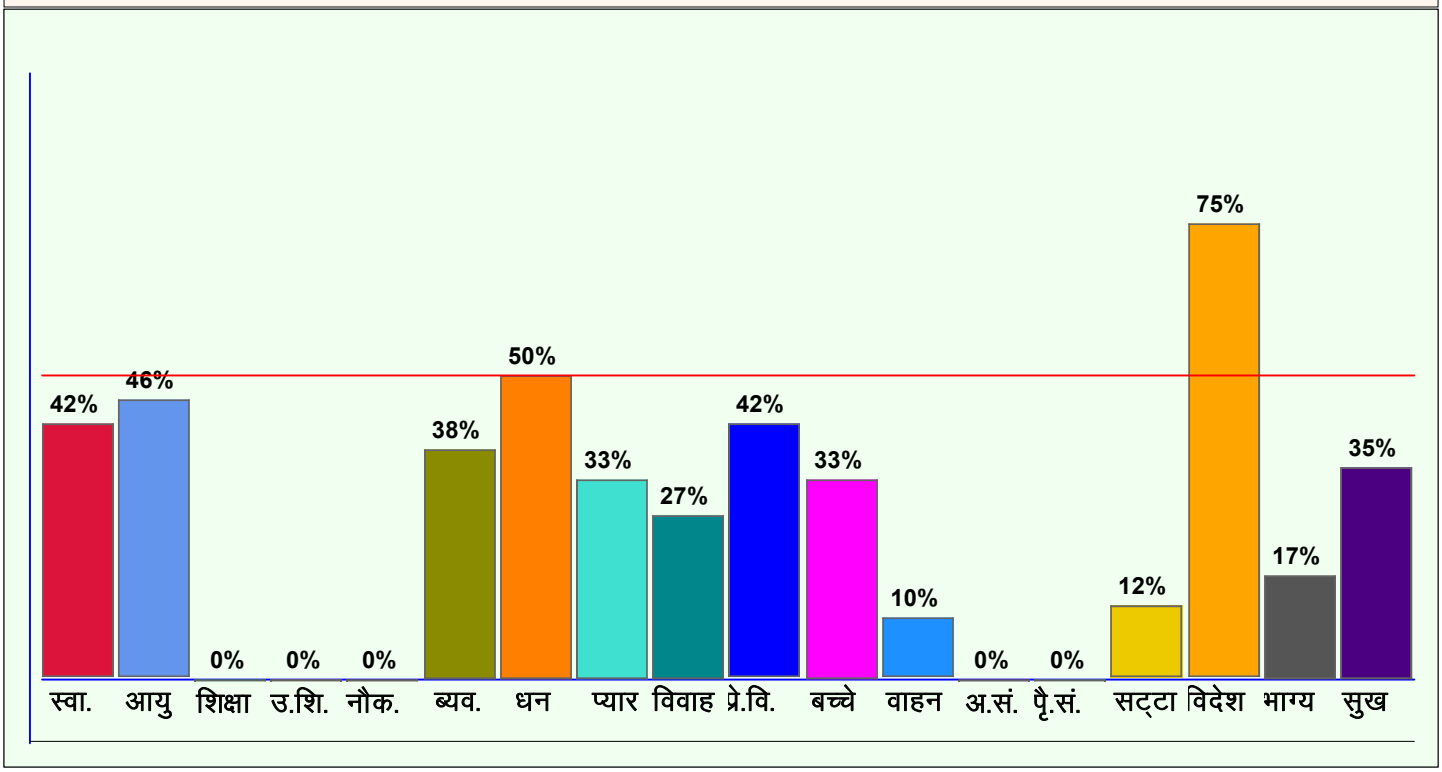

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य
आयु	आयु
शिक्षा	शिक्षा
उ.शि.	उच्च शिक्षा
नौक.	नौकरी/पदोन्नति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय
धन	धन–दौलत
प्यार	प्यार/रोमांस
विवाह	विवाह

प्रे.वि.	प्रेम विवाह
बच्चे	संतान/बच्चे
वाहन	वाहन
अ.सं.	अचल संपत्ति
पै.सं.	पैतृक संपत्ति
सट्टा	विदेश संबन्धित
विदेश	विदेश संबन्धित
भाग्य	भाग्य
सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 08:10:2023 से 04:12:2023 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आपको केतु का शुभ व अशुभ दोनों प्रकार का मिश्रित फल मिलेगा। आपको अपनी पत्नी पर गर्व होगा। धन का आवागमन रहेगा लेकिन धन का संग्रह नहीं हो सकेगा। आपको अपने कारोबार में कमीशन के रूप में कुछ प्रतिशत लाभ मिलेगा। सरकार से मान–सम्मान व लाभ मिल सकता है। दिशा बदल कर यात्रा करने से लाभ होगा। आपको अपनी पत्नी का गर्भपात नहीं करवाना चाहिए। शराब, गांजा आदि मादक पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए। यदि आपने पराई स्त्री से संबंध रखा तो संतान सुख नहीं मिलेगा। संतान की परवरिश में लापरवाही ना बरतें। जुआ, सट्टा, तम्बोला आदि ना खेलें। नकली सोने के आभूषण ना पहनें। यदि आपका चाल–चलन खराब होगा तो संतान का सुख नहीं मिलेगा। आपके धन की हानि या फिजूलखर्ची होती रहेगी। आपका स्थानान्तरण हो सकता है, लेकिन पदोन्नति हो यह आवश्यक नहीं है।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

अपने माथे पर हल्दी या केसर का तिलक लगायें। अपनी पत्नी की सेवा करें तथा संतान की अच्छी तरह से परवरिश करें।

लाल किताब समय–चक्र

04:12:2023 से 16:05:2024 (शनि/बुध/शुक्र)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, बुध और शुक्र के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

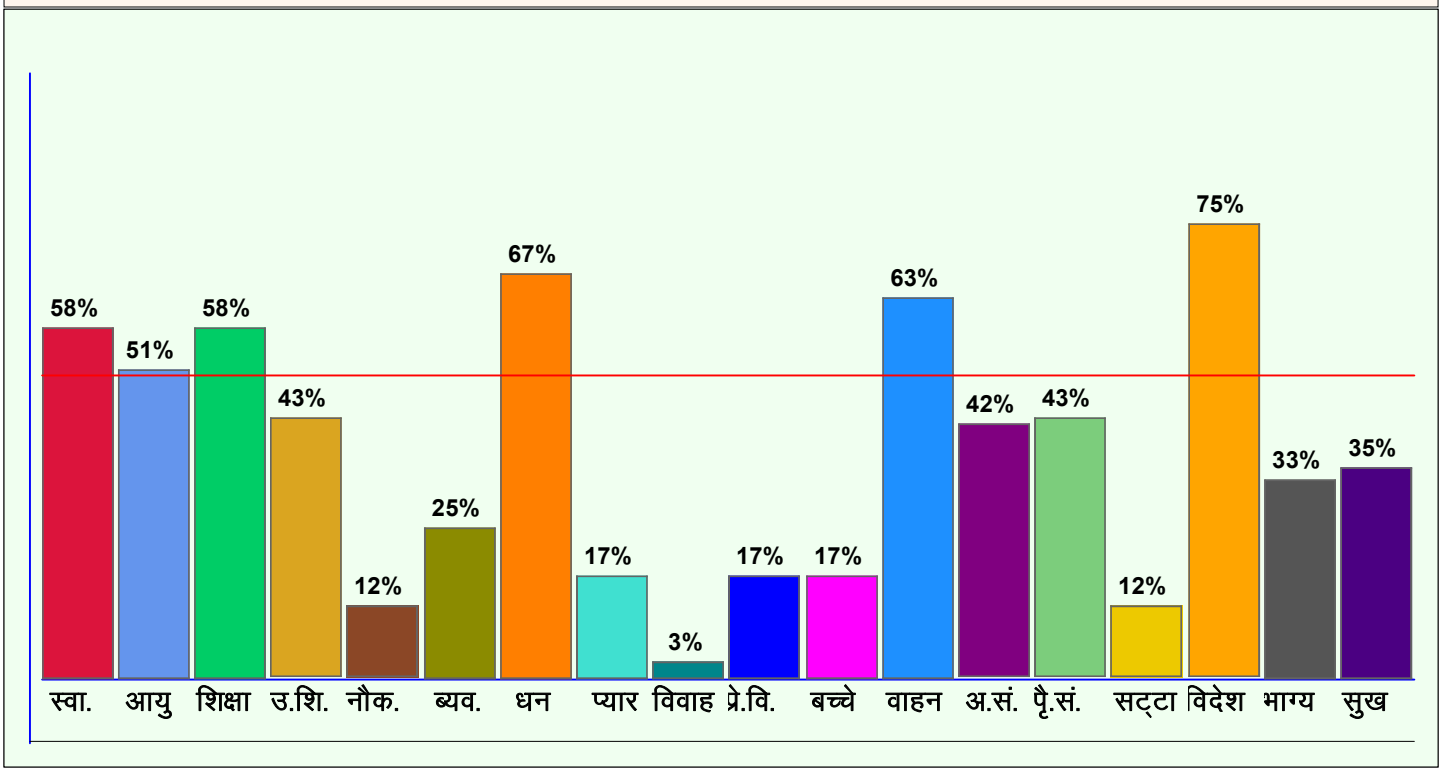

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य
आयु	आयु
शिक्षा	शिक्षा
उ.शि.	उच्च शिक्षा
नौक.	नौकरी/पदोन्नति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय
धन	धन–दौलत
प्यार	प्यार/रोमांस
विवाह	विवाह

प्रे.वि.	प्रेम विवाह
बच्चे	संतान/बच्चे
वाहन	वाहन
अ.सं.	अचल संपत्ति
पै.सं.	पैतृक संपत्ति
सट्टा	विदेश संबन्धित
विदेश	विदेश संबन्धित
भाग्य	भाग्य
सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 04:12:2023 से 16:05:2024 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आपकी पत्नी सतवन्ती होगी एवं उसके साथ रहते हुए चोरी, डकैती, ठगी, मृत्यु आदि से रक्षा होती रहेगी। आपकी पत्नी हर सुख–दुःख में आपका साथ देगी। आपको हर तरफ से खुशी मिलेगी एवं धन आदि की चिंता नहीं रहेगी। तीर्थ यात्रा करेंगे। आपके परिवार में पुरुषों पर शुभ फल होगा एवं वे सभी प्रकार से सुखी होंगे तथा स्त्रियों को आपके घर में सम्मान मिलेगा, किन्तु वह बुझदिल बन सकती हैं। कोई ना कोई स्त्री आप पर मोहित रहेगी। बुरी स्त्री से भी आपको लाभ होगा, लेकिन अपना चाल–चलन ठीक रखें। यदि आपके पैतृक मकान के मुख्य द्वार की दहलीज नहीं है या खराब है, तो अशुभ फल मिलेगा। आपको धार्मिक कार्यों को अनदेखा नहीं करना चाहिए तथा गीत–संगीत, राग–रंग में रूचि नहीं रखना चाहिए। अपनी पत्नी या किसी स्त्री का अपमान करना ठीक नहीं होगा। बहन, बेटी के ससुराल वालों के साथ साझेदारी का कारोबार ना करें। यदि किसी पराई स्त्री से अनुचित संबंध रखेंगे, तो पत्नी के अधीन होकर रहना पड़ेगा। आपको अपने पिता की धन–संपत्ति का लाभ नहीं मिलेगा। आप अपना धन आदि पुत्र को ना देकर पुत्री को देंगे। लखपति होने के बावजूद आपको परिश्रम अवश्य करना पड़ेगा तथा धन में दिन–प्रतिदिन कमी हो सकती है। आपकी पत्नी अपने रिश्तेदारों को लाभ देगी। पत्नी, पुत्री या भाई–बन्धुओं के हाथों आपका धन बर्बाद होगा।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

गाय पालें या उसकी सेवा करें या गौशाला में चारा आदि दान करें, लेकिन चारे आदि के लिए नगद धन ना दें। अपनी पत्नी की सेवा करें तथा स्त्रियों का सम्मान करें।

लाल किताब समय–चक्र

16:05:2024 से 04:07:2024 (शनि/बुध/सूर्य)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, बुध और सूर्य के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

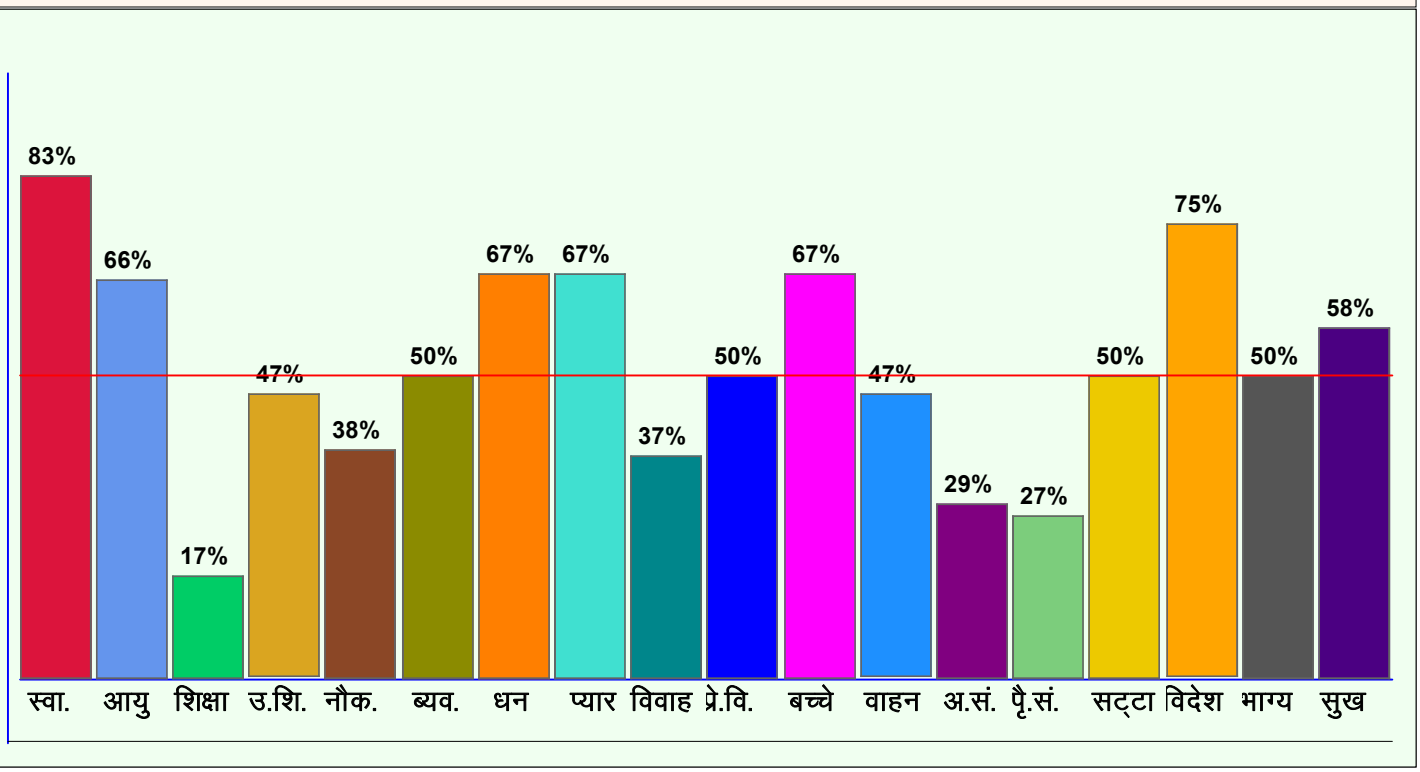

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य	प्रे.वि.	प्रेम विवाह
आयु	आयु	बच्चे	संतान/बच्चे
शिक्षा	शिक्षा	वाहन	वाहन
उ.शि.	उच्च शिक्षा	अ.सं.	अचल संपत्ति
नौक.	नौकरी/पदोन्नति	पै.सं.	पैतृक संपत्ति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय	सट्टा	विदेश संबन्धित
धन	धन–दौलत	विदेश	विदेश संबन्धित
प्यार	प्यार/रोमांस	भाग्य	भाग्य
विवाह	विवाह	सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 16:05:2024 से 04:07:2024 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आपके इमानदार और परोपकारी होने से उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। यद्यपि आप क्रोधी स्वभाव के बन सकते हैं, किन्तु हृदय से आप सबका भला ही चाहेंगे। आपकी रूचि गरीबों की सेवा करने तथा धर्मार्थ वस्तुएं बनवाने में रहेगी। अत्यधिक परिश्रम अथवा भाग–दौड़ से सफलता मिलेगी। आपको सरकार या सरकारी विभाग द्वारा लाभ प्राप्त होगा। आप दृढ विचारों वाले होंगे तथा नशे आदि से दूर रहेंगे। चौपाया पशुओं, वाहन एवं यात्रा संबंधी कार्यों से लाभ प्राप्त होगा। जमीन–जायदाद का सुख मिलेगा एवं मान–सम्मान में वृद्धि होगी अथवा उच्च पद की प्राप्ति होगी। जो भी व्यक्ति आपको बर्बाद करने की कोशिश करेगा वह स्वयं ही बर्बाद हो जाएगा। आपको दूसरों के साथ दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए। पारिवारिक कार्यों में बाधाएं उत्पन्न नहीं करना चाहिए। अपने मन में सदैव सकारात्मक और उच्च विचारों को स्थान दें तथा मन में आत्महत्या का विचार ना उत्पन्न होंने दें। बड़े बुजुर्गों व पुरखों द्वारा होते आ रहे रीति–रिवाजों को करते रहें। मांस, मछली, मदिरा आदि का सेवन न करें तथा दिन के समय संभोग करने से बचें। आपकी पत्नी को तपेदिक या चर्म रोग आदि होने की संभावना है तथा आप अपनी पत्नी एवं संतान के संबंध में चिंतित रह सकते हैं। क्रोध करने एवं अपशब्द बोलने से आपके भाग्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। आप उच्च या निम्न रक्तचाप से पीड़ित हो सकते हैं अथवा हृदय से संबंधित रोग हो सकते हैं।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

अपने पैतृक मकान में हैण्ड पम्प, कुआं आदि की व्यवस्था करें। अपने घर में गंगाजल अथवा नदी का जल रखें। पानी में खांड डालकर सूर्य को अर्घ्य दें तथा बंदरों को गुड़ खिलाएं। मांस मदिरा का सेवन ना करें। अपना चाल–चलन ठीक रखें।

लाल किताब समय–चक्र

04:07:2024 से 24:09:2024 (शनि/बुध/चन्द्रमा)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, बुध और चन्द्रमा के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

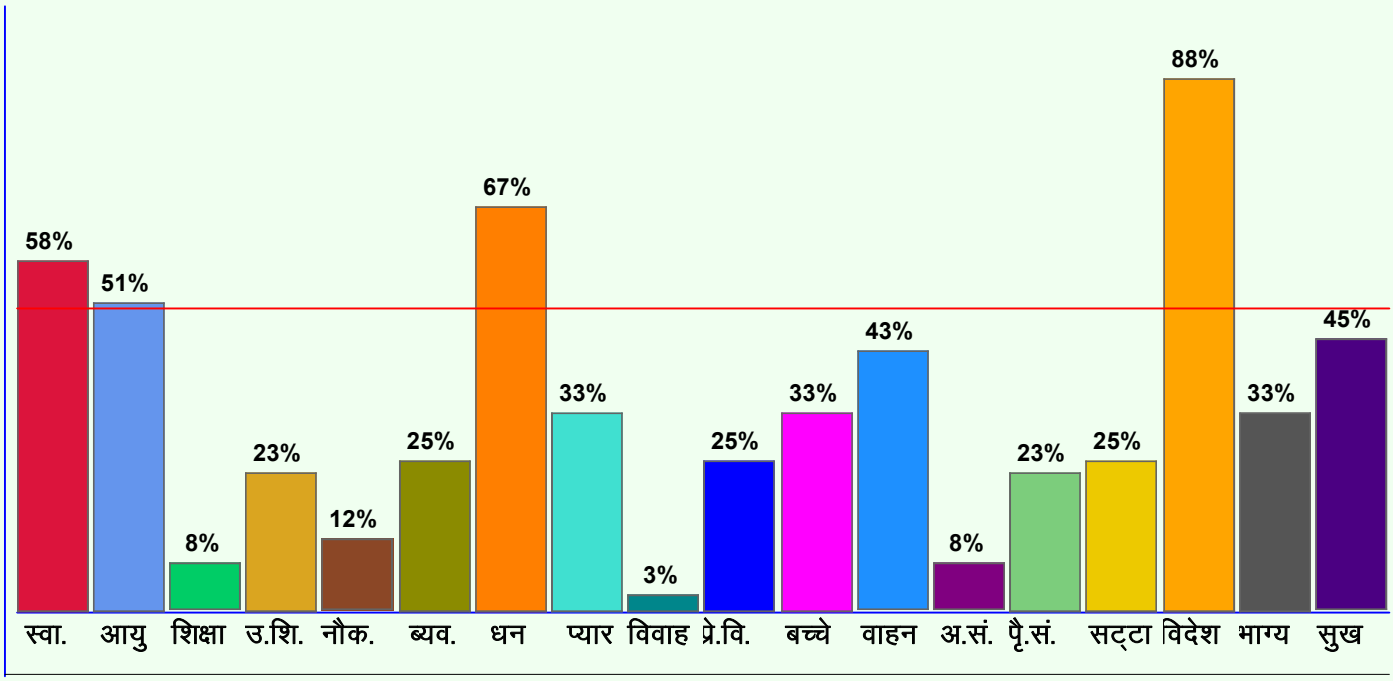

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य
आयु	आयु
शिक्षा	शिक्षा
उ.शि.	उच्च शिक्षा
नौक.	नौकरी/पदोन्नति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय
धन	धन–दौलत
प्यार	प्यार/रोमांस
विवाह	विवाह

प्रे.वि.	प्रेम विवाह
बच्चे	संतान/बच्चे
वाहन	वाहन
अ.सं.	अचल संपत्ति
पै.सं.	पैतृक संपत्ति
सट्टा	विदेश संबन्धित
विदेश	विदेश संबन्धित
भाग्य	भाग्य
सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 04:07:2024 से 24:09:2024 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आप इंजीनियरिंग, वकालत या अपनी अर्जित शिक्षा का लाभ नहीं उठा पायेंगे। आपको बौद्धिक या शिक्षा के अतिरिक्त अन्य कार्यों से लाभ हो सकता है। आपको धन–संपत्ति का लाभ समय–समय पर होता रहेगा अथवा जीवनयापन के लिए धन मिलता रहेगा तथा मानसिक शांति कायम रहेगी। आप सरकार या सरकारी विभाग से भी धन लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आपके घर में बुधवार के दिन बहन या बेटी का जन्म हो अथवा शुक्रवार के दिन आपका या आपके परिवार के किसी सदस्य का विवाह हो अथवा शनिवार के दिन मकान बनाया या गिराया या खरीदा हो अथवा प्रातःकाल के समय दान लिया या दिया हो अथवा रात के समय गुरु का उपदेश सुना या सुनाया हो तो आपको अशुभ फल प्राप्त होंगे। आपके पुत्र के जन्म के पश्चात 43 दिन तक आपकी माता को आपके पुत्र को देखना या हाथों से उठाना नहीं चाहिए, अन्यथा उन दोनों में से एक अल्पायु हो सकता है। अपने घर में कुंआ ना बनवाएं तथा सामान्य जन के लिए पानी पीने का साधन ना लगवाएं। समुद्र यात्रा अथवा समुद्र के रास्ते व्यापार ना करें अन्यथा हानि होगी। आपकी माता की आंखें कमजोर होंगी अथवा आप्रेशन हो सकता है। आपका बचपन अच्छा नहीं होगा। स्त्री के साथ सहवास के समय आपकी कामशक्ति क्षीण हो सकती है। ऐसे में आप किसी योग्य वैद्य से परामर्श लेकर सोने का कुश्ता या जिनमें सोना मिला हो उन दवाईयों का सेवन कर सकते हैं। आपके भाई–बन्धु या कोई अन्य आपको गुमराह करके आपकी हानि कर सकता है।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

दूध से बनी वस्तुएं बर्फी, पेड़े आदि खाएं। अपनी माता के स्वास्थ्य के लिए 9 वर्ष से छोटे लड़कों को 11–11 खोया के पेड़े दोपहर 4 बजे दें। शिक्षा एवं संतान सुख के लिए आपकी माता या पत्नी भैरों मंदिर में 5 लीटर दूध चढ़ाएं अथवा 11 मजदूरों को दूध पिलाएं। अपने घर के छत के नीचे गंगाजल या नदी या वर्षा का जल रखें।

लाल किताब समय–चक्र

24:09:2024 से 21:11:2024 (शनि/बुध/मंगल)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, बुध और मंगल के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

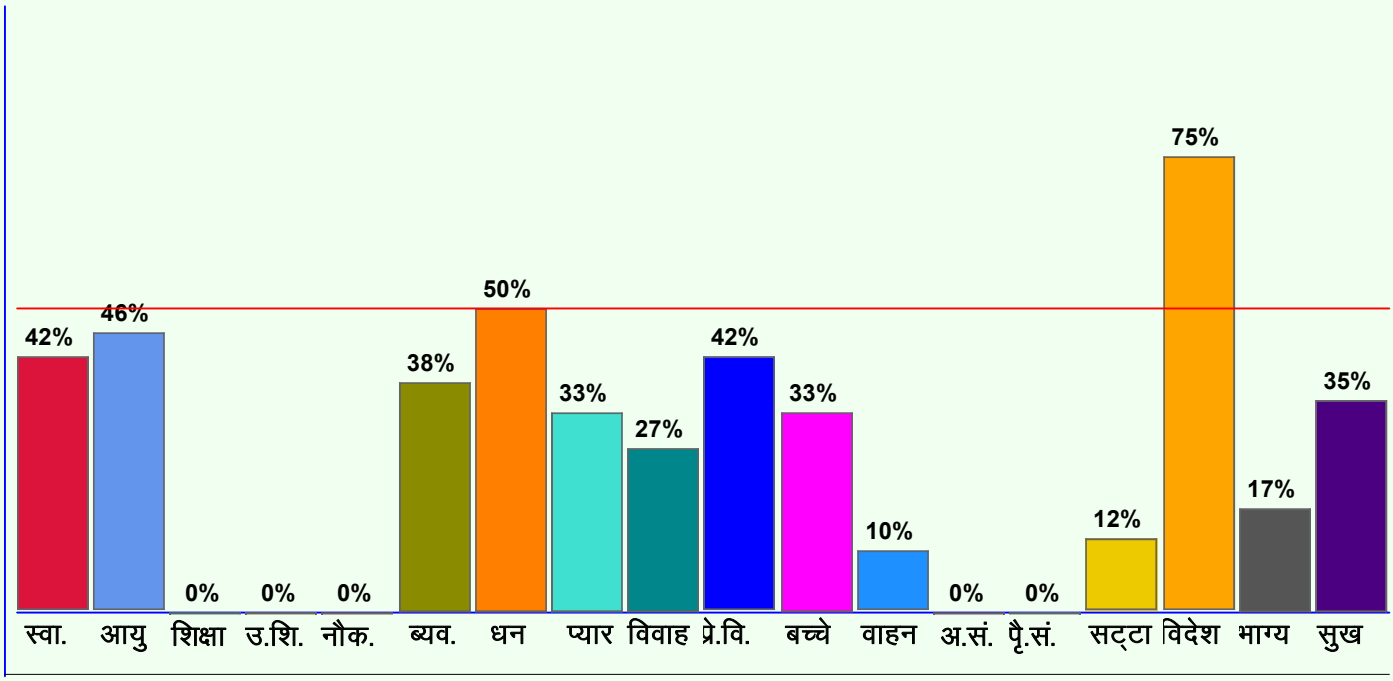

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य
आयु	आयु
शिक्षा	शिक्षा
उ.शि.	उच्च शिक्षा
नौक.	नौकरी/पदोन्नति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय
धन	धन–दौलत
प्यार	प्यार/रोमांस
विवाह	विवाह

प्रे.वि.	प्रेम विवाह
बच्चे	संतान/बच्चे
वाहन	वाहन
अ.सं.	अचल संपत्ति
पै.सं.	पैतृक संपत्ति
सट्टा	विदेश संबन्धित
विदेश	विदेश संबन्धित
भाग्य	भाग्य
सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 24:09:2024 से 21:11:2024 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आप स्वतंत्र विचारों वाले गर्म मिजाज के व्यक्ति होंगे। संकट के समय सदैव आपको ईश्वर की सहायता प्राप्त होगी। रोगादि से आपकी रक्षा होगी, यात्रा से जीवित घर वापस लौटेंगे तथा दीर्घायु होंगे। आपके माता–पिता राजा के समान बन जाएंगे। आपके धन–परिवार में वृद्धि होगी। आप अपने परिवार में अग्रणी होंगे तथा परिवार की सेवा करते रहेंगे। आपको कृतघ्न प्रकृति का नहीं बनना चाहिए तथा अपने मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक विचार नहीं लाना चाहिए। अपनी पत्नी या किसी अन्य स्त्री के साथ लड़ाई–झगड़ा करना तथा अपने पास कोई हथियार आदि रखना प्रतिकूल फलदायक होगा। अपने भोजन में अत्यधिक नमक अथवा नमकीन चीजें अधिक ना खाएं। गलतियां करने से बचें अन्यथा आपका धन बर्बाद होगा। अपने मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक विचार ना लाएं, उत्तम व ऊंचा सोचें। अपने घर में बिना धार वाला या जंग लगा हथियार ना रखें। आप श्वसन रोग और नेत्र रोग से पीड़ित हो सकते हैं तथा हाथों में कष्ट हो सकता है। आपकी माता को कष्ट व चिंता हो सकती है। यदि आपका कोई बड़ा भाई है, तो आप अपने सिर पर चोटी रखें और लाल रंग की टोपी या पगड़ी ना पहनें, बल्कि हल्के सफेद, बादामी, या शरबती रंग की टोपी या पगड़ी पहनें। आपको अपनी पत्नी का सुख प्राप्त होने में संदेह है। आपको धन एवं संतान की चिंता रहेगी।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

पानी में खांड/गुड़ डालकर सूर्य को अर्ध्य दें। बुजुर्गों, गुरु व साधुओं की सेवा करें। दूध वाला हलवा मंदिर में चढ़ाएं और दूसरों को बांटे और खिलाएं। लोगों को मीठा दूध पिलाएं। सुबह उठते ही शहद खाएं या नाश्ते में खांड की रोटी खाएं। तंदूर में लगी गुड़ वाली मीठी रोटी फकीर और कुत्तों को खिलायें।

लाल किताब समय–चक्र

21:11:2024 से 17:04:2025 (शनि/बुध/राहु)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, बुध और राहु के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

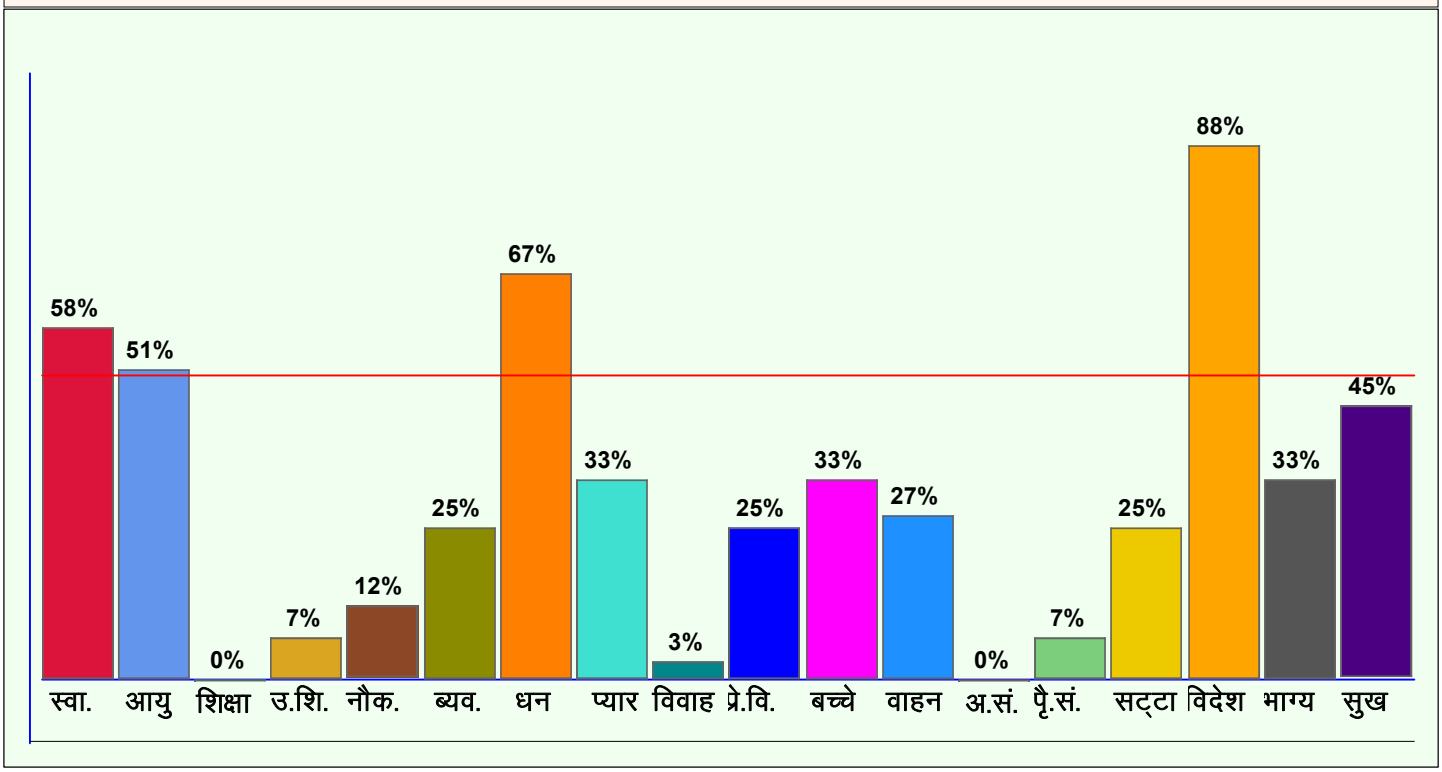

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य
आयु	आयु
शिक्षा	शिक्षा
उ.शि.	उच्च शिक्षा
नौक.	नौकरी/पदोन्नति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय
धन	धन–दौलत
प्यार	प्यार/रोमांस
विवाह	विवाह

प्रे.वि.	प्रेम विवाह
बच्चे	संतान/बच्चे
वाहन	वाहन
अ.सं.	अचल संपत्ति
पै.सं.	पैतृक संपत्ति
सट्टा	विदेश संबन्धित
विदेश	विदेश संबन्धित
भाग्य	भाग्य
सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 21:11:2024 से 17:04:2025 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

यदि आपका रंग सांवला या काला है, तो प्रगति होगी। सरकार या सरकारी विभाग से लाभ हो सकता है। यदि आपकी नौकरी/कारोबार छूट जायेगा जो दूसरा शीघ्र ही मिल जायेगा। आपको धन लाभ होगा, लेकिन पत्नी का स्वास्थ्य खराब रहेगा और उसकी चिंता रहेगी। आपका धन परिवार के कामों पर खर्च होता रहेगा। काले या नीले रंग के कपड़े उपहार में या दान में ना लें तथा विवाह के बाद ससुराल से लोहे या बिजली आदि का सामान ना लें। आपके पास बिल्ली की जेर होगी तो उसे चमड़े के पर्स में ना रखें। इधर–उधर बेकार ना घूमें, शरारतें ना करें और नास्तिक ना बनें अन्यथा आपकी उन्नति में बाधाएं उत्पन्न होगी। अपना धर्म व ईमान खराब ना करें। घर के आंगन में लकड़ी, गोबर आदि जलाकर धुआं ना करें। अपने पूजा स्थान को लाइब्रेरी ना बनायें। आपका पेट मोटा होगा तो स्वास्थ्य खराब रहेगा। आपकी अपनी गलत सोच आपको डूबो देगी। आपका स्वास्थ्य खराब रह सकता है या सरकार या सरकारी विभाग से परेशानी हो सकती है। आपको अकारण बोलते रहने की बीमारी हो सकती है। बुरे वक्त में कोई आपका साथ नहीं देगा। बनते कामों में बाधाएं आ सकती हैं या परिवर्तन करना पड़ सकता है।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

101 दिन शरीर पर कच्चा दूध मलकर स्नान करें। अपने घर के लॉकर में शुद्ध ठोस चांदी रखें। दुनिया में किसी भी स्थान पर सूर्य ग्रहण लगा हो तो सूर्य ग्रहण के मध्यकाल में 4 श्रीफल (सूखे बजने वाले नारियल) बहते जल में प्रवाहित करें। आपके पास बिल्ली की जेर हो तो उसे खाकी कपड़े में लपेट कर रखें। धर्म मंदिर में गुड़, गेहूं और तांबे के पैसे चढ़ायें।

लाल किताब समय–चक्र

17:04:2025 से 26:08:2025 (शनि/बुध/गुरू)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, बुध और गुरू के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

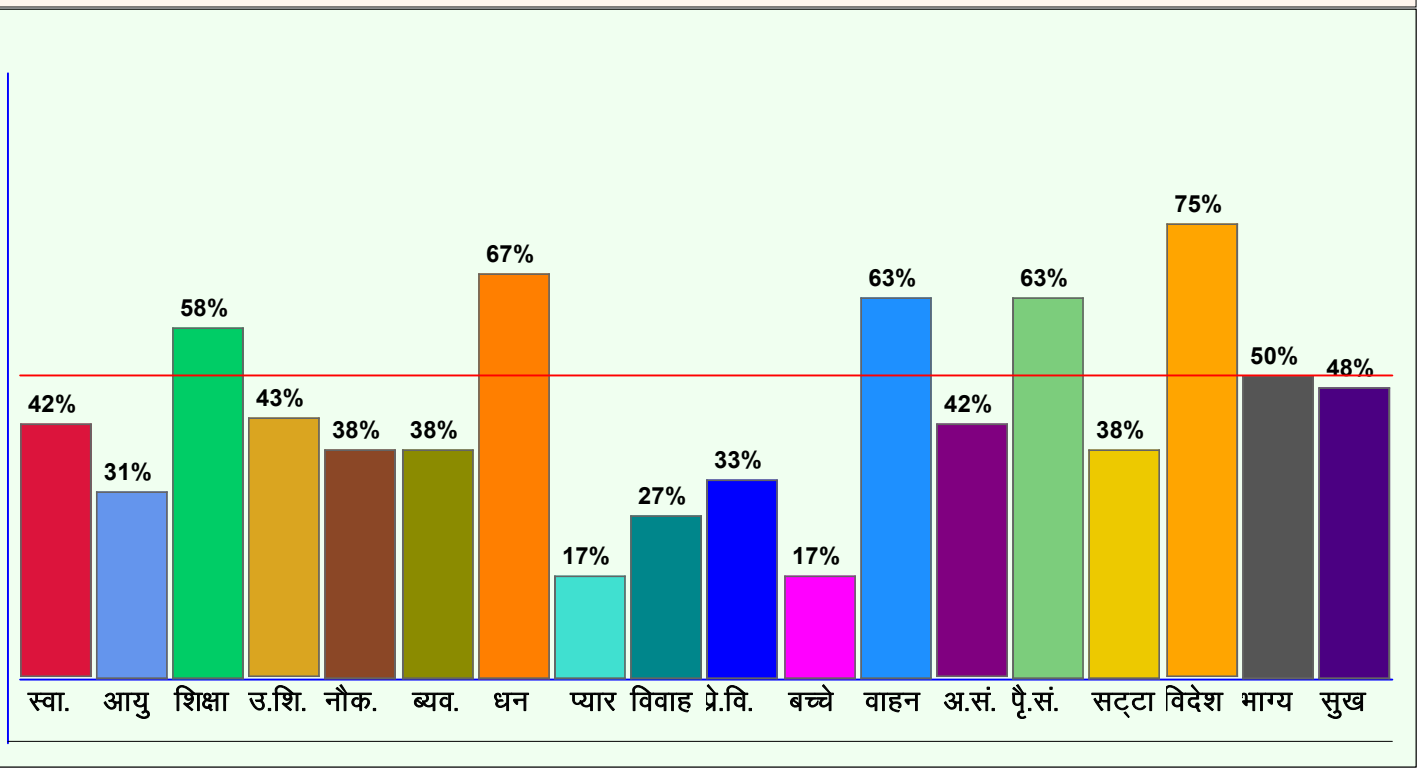

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य	प्रे.वि.	प्रेम विवाह
आयु	आयु	बच्चे	संतान/बच्चे
शिक्षा	शिक्षा	वाहन	वाहन
उ.शि.	उच्च शिक्षा	अ.सं.	अचल संपत्ति
नौक.	नौकरी/पदोन्नति	पै.सं.	पैतृक संपत्ति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय	सट्टा	विदेश संबन्धित
धन	धन–दौलत	विदेश	विदेश संबन्धित
प्यार	प्यार/रोमांस	भाग्य	भाग्य
विवाह	विवाह	सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 17:04:2025 से 26:08:2025 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आपके दादा व पिता धनवान तथा दीर्घायु होंगे। आपकी रूचि धार्मिक कार्यों या परोपकारी कार्यों की ओर होगी। आपको मान–सम्मान मिलता रहेगा, किन्तु यह आवश्यक नहीं है कि धन–संपत्ति का लाभ भी हो। आपका दिया हुआ आशीर्वाद फलीभूत होगा, किन्तु आपका अभिशाप आपके लिए ही हानिप्रद होगा। आपको सरकार या सरकारी विभाग द्वारा सम्मान मिल सकता है। भाई–बन्धु या मित्रों से लड़ाई–झगड़े, मुकदमे आदि में निर्णय आपके पक्ष में होगा। किसी का जूठा भोजन ना खाएं और ना ही अपना जूठा किसी को खिलाएं। किसी की निंदा या चुगली ना करें। मदिरा आदि का सेवन करना भी आपके लिए हानिकारक होगा। यदि आपके परिवार में कोई स्नातक नहीं है, तो पितृऋण होगा। आपको किसी से भी कुछ भी दान में या उपहार स्वरूप नहीं लेना चाहिए। शिक्षित या अशिक्षित होने पर भी आपको मान–सम्मान मिलता रहेगा, लेकिन धन–संपत्ति भी प्राप्त हो ऐसा आवश्यक नहीं है। आपके दादा, पिता को हृदय रोग, दमा या श्वसन संबंधी रोग हो सकता है।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

अपने माथे पर हल्दी या केसर का तिलक लगाएं। इस वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के दिन पुष्कर (पुष्कर, राजस्थान) या कपाल मोचन (जगाधरी, हरियाणा) या राम तीर्थ (अमृतसर, पंजाब) में जाकर स्नान करें। बुजुर्गों के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लें तथा सफेद बालों वाले व्यक्ति की सेवा करें।

लाल किताब समय–चक्र

26:08:2025 से 29:01:2026 (शनि/बुध/शनि)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, बुध और शनि के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

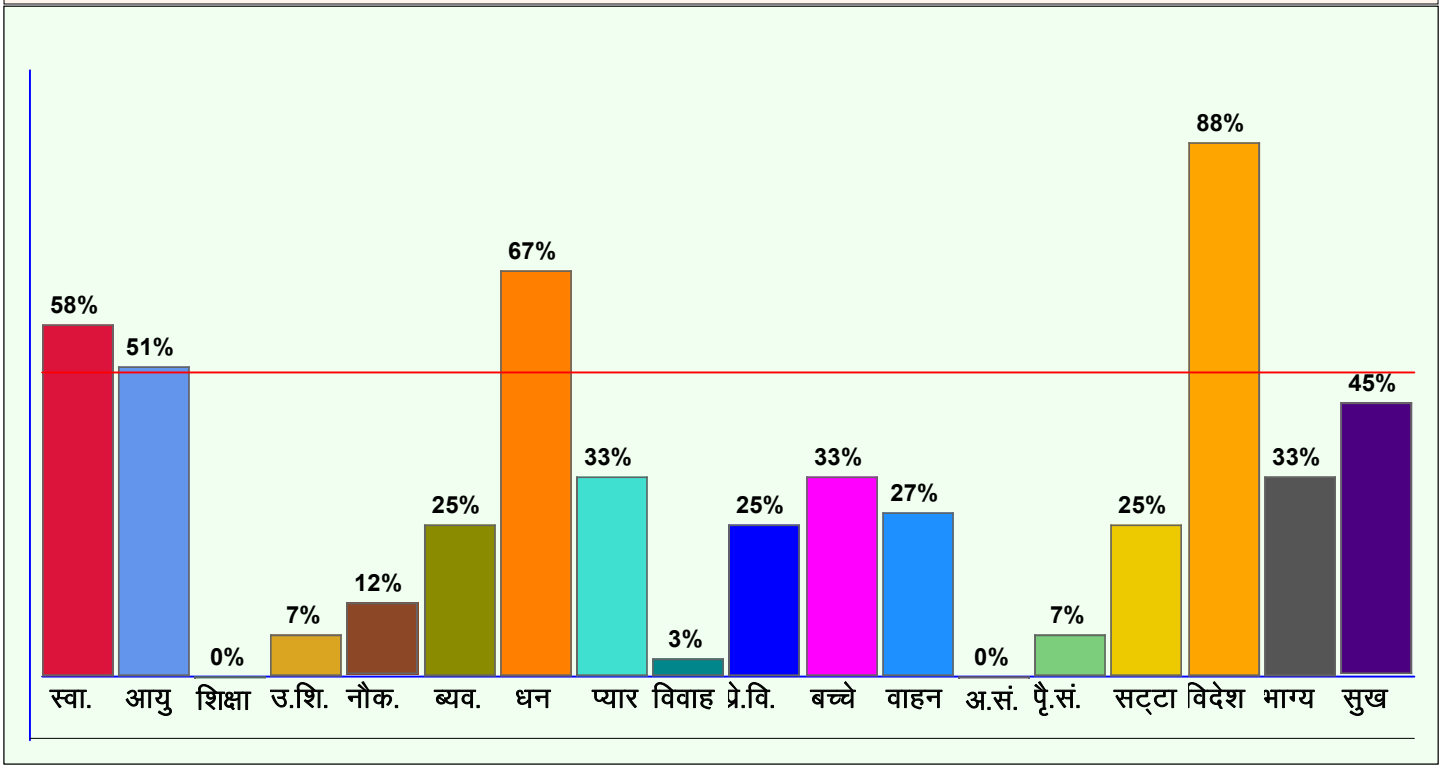

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य	प्रे.वि.	प्रेम विवाह
आयु	आयु	बच्चे	संतान/बच्चे
शिक्षा	शिक्षा	वाहन	वाहन
उ.शि.	उच्च शिक्षा	अ.सं.	अचल संपत्ति
नौक.	नौकरी/पदोन्नति	पै.सं.	पैतृक संपत्ति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय	सट्टा	विदेश संबन्धित
धन	धन–दौलत	विदेश	विदेश संबन्धित
प्यार	प्यार/रोमांस	भाग्य	भाग्य
विवाह	विवाह	सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 26:08:2025 से 29:01:2026 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आप अभिमानी और आत्मसम्मान से पूर्ण मगर भोले–भाले राजा होंगे। आपमें छानबीन करने की आदत होगी। संतान द्वारा बनाए या खरीदे गए मकान का शुभ फल मिलेगा। यदि आपके पास धन–संपत्ति अधिक होगी, तो संतान सुख की चिंता रहेगी। आपको सांप के जहर का व्यापार नहीं करना चाहिए या सांप को नहीं मारना चाहिए। धन–संपत्ति के लिए भाई–बहन के साथ धोखा या ठगी नहीं हरना चाहिए। संतान की दीर्घायु के लिए अपने नाम पर मकान ना बनाएं। पुत्र के जन्म आदि की खुशी में मिठाई ना बाटें। यदि मिठाई बांटना आवश्यक है, तो मिठाई के साथ नमकीन वस्तु भी बांटें। लेखन कार्य करने से आपका भाग्यफल खराब हो सकता है। शारीरिक अस्वस्थता के समय अपने पेट का विशेष ध्यान रखें। आपके किसी पारिवारिक सदस्य को विष या भोजन विषाक्ता का भय रहेगा। आपका अपने कुल पुरोहित से अच्छे संबंध नहीं रहेंगे। आपको किसी गंभीर बीमारी, झगड़ा, मुकद्मा आदि का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान खाद्य पदार्थों, सोना आदि की घर से चोरी कर सकती है या आपको संतान सुख की चिंता रहेगी।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

काला–सफेद कुत्ता पालें या उनकी सेवा करें। संतान सुख के लिए इस वर्ष 43–43 साबुत बादाम मंदिर में ले जाएं, जिसमें से 43 बादाम मंदिर में चढ़ा दें और 43 बादाम लाकर सफेद कपड़े में बांध कर अपने घर में रखें। सांप को दूध पिलायें। दामाद, दोहते व साले की सेवा करें।

लाल किताब समय–चक्र

29:01:2026 से 21:02:2026 (शनि/केतु/केतु)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, केतु और केतु के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

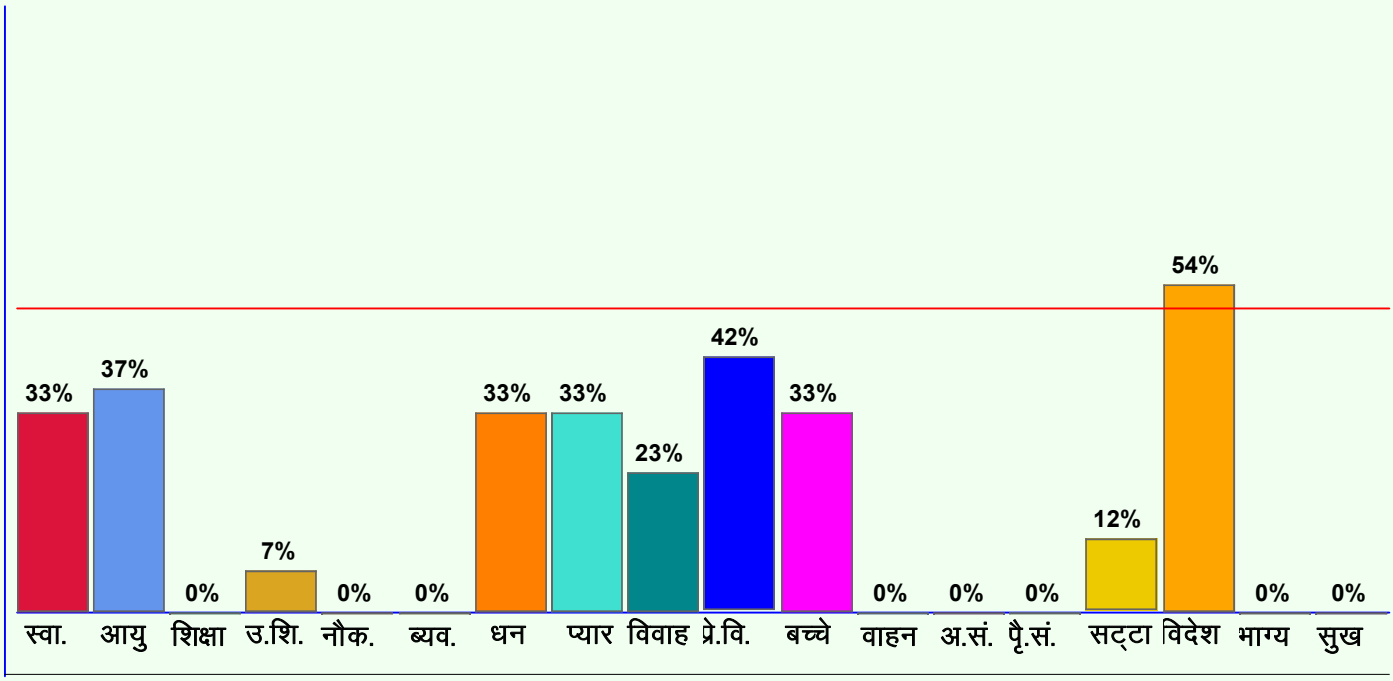

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य	प्रे.वि.	प्रेम विवाह
आयु	आयु	बच्चे	संतान/बच्चे
शिक्षा	शिक्षा	वाहन	वाहन
उ.शि.	उच्च शिक्षा	अ.सं.	अचल संपत्ति
नौक.	नौकरी/पदोन्नति	पै.सं.	पैतृक संपत्ति
व्यव.	व्यापार/व्यवसाय	सट्टा	विदेश संबन्धित
धन	धन–दौलत	विदेश	विदेश संबन्धित
प्यार	प्यार/रोमांस	भाग्य	भाग्य
विवाह	विवाह	सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 29:01:2026 से 21:02:2026 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आपको अपने माता–पिता की धन–संपत्ति व जमीन–जायदाद का लाभ मिलेगा। आप अय्याश स्वभाव के होंगे, तो भी सुखी रहेंगे। आपकी संतान के द्वारा मान–सम्मान में वृद्धि होगी एवं धन का संग्रह होगा। आपकी पदोन्नति हो सकती है, लेकिन स्थानान्तरण शायद ही होगा। आपको अपने भाई–बहन से लड़ाई–झगड़ा नहीं करना चाहिए। आपने कुत्ता नहीं पाला है, तो कुत्ते के काटने की संभावना हो सकती है। आपको कुत्तों को मारना या मरवाना नहीं चाहिए। किसी निःसंतान दंपत्ति से मकान या जमीन ना खरीदें/ना लें, क्योंकि ऐसे मकान में रहने पर आपको भी संतान का सुख प्राप्त नहीं होगा। अकारण किसी यात्रा पर ना जायें। आपको पुत्र संतान के सुख की चिंता रहेगी। आपको अपनी माता, मामा या बड़े भाई से या उनका सुख प्राप्त नहीं होगा।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

दामाद, दोहते और साले की सेवा करें। काला–सफेद कुत्ता पालें। यदि आपके पुत्र का जन्म हो चुका है, तो दूध में अंगूठा भिंगोकर चूसें। 9 या 11 कुत्तों को अपने भोजन का हिस्सा दें।

लाल किताब समय–चक्र

21:02:2026 से 30:04:2026 (शनि/केतु/शुक्र)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, केतु और शुक्र के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

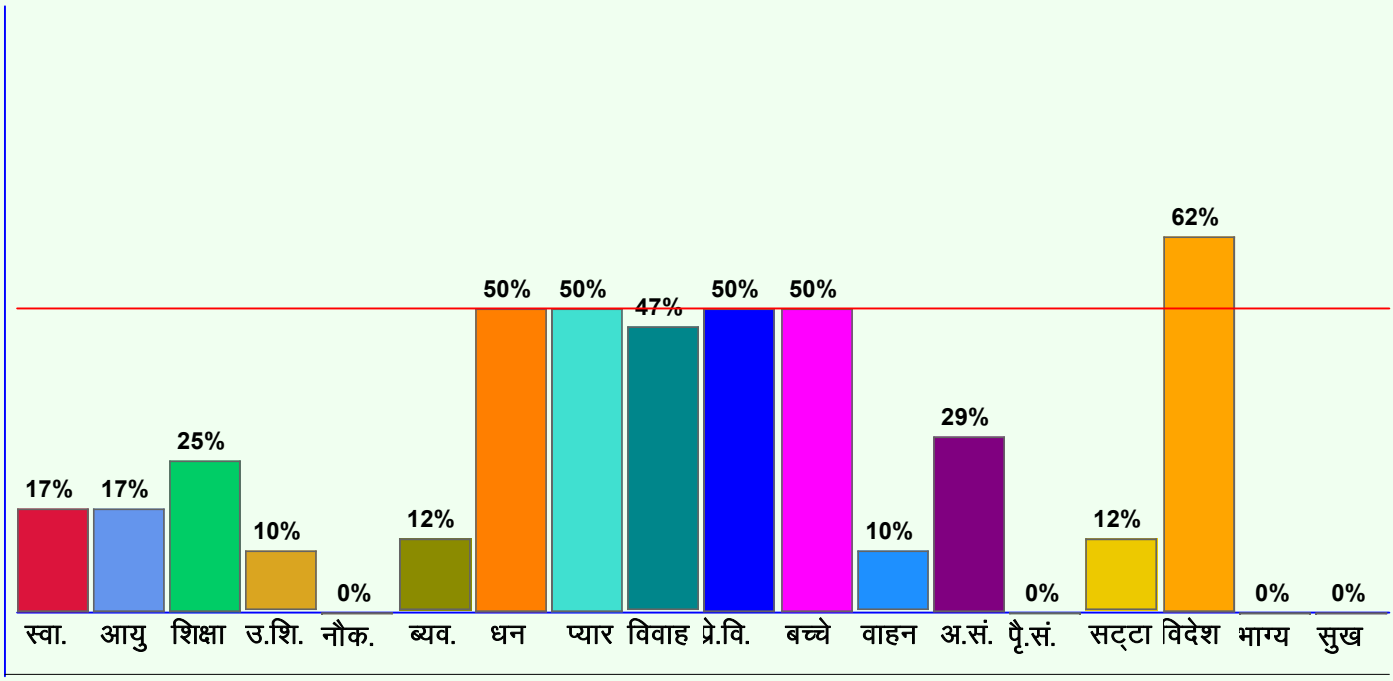

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य	प्रे.वि.	प्रेम विवाह
आयु	आयु	बच्चे	संतान/बच्चे
शिक्षा	शिक्षा	वाहन	वाहन
उ.शि.	उच्च शिक्षा	अ.सं.	अचल संपत्ति
नौक.	नौकरी/पदोन्नति	पै.सं.	पैतृक संपत्ति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय	सट्टा	विदेश संबन्धित
धन	धन–दौलत	विदेश	विदेश संबन्धित
प्यार	प्यार/रोमांस	भाग्य	भाग्य
विवाह	विवाह	सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 21:02:2026 से 30:04:2026 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आपको जीवन में सुख–सुविधाएं मिलेंगी तथा अनेक यात्राएं होंगी। आपकी पत्नी आपके बुराईयों पर पर्दा डालेगी तथा अच्छाइयों को देखेगी। संकट के समय में ईश्वर की सहायता मिलती रहेगी। आपको बाग–बगीचे लगाने का शौक होगा। आपको मादक पदार्थों, मदिरा या नशीली दवाइयों का सेवन नहीं करना चाहिए। पराई स्त्री के साथ संबंध रखेंगे, तो विवाह या संतान सुख में विलम्ब होगा एवं बर्बादी होगी। सुरमे का काम या व्यापार करना आपके लिए लाभप्रद नहीं होगा। अपनी पत्नी के अतिरिक्त किसी अन्य स्त्री के साथ संबंध ना रखें। माता एवं पत्नी का झगड़ा ना करवाएं। अपनी आखों में सुरमा ना लगाएं। किसी कुंए पर बने मकान में निवास ना करें। यद्यपि आर्थिक तंगी रहेगी, लेकिन बुरे समय में ईश्वर की कृपा बनी रहेगी। आपकी पत्नी आपके परिवार के लिए अशुभ सिद्ध हो सकती है। आपकी संतान अयोग्य हो सकती है या संतान सुख की चिंता रहेगी। आपकी पत्नी को गर्भाशय में रोग हो सकता है। आपकी माता एवं पत्नी दोनों एक साथ नहीं रहेंगी अथवा दोनों में से एक का सुख मिलेगा। आपके मामा या मामा का परिवार बर्बाद होगा।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

4 गाय पालें या उनकी सेवा करें। यदि मामा नहीं है, तो कुएं में केसर डालें। 4 आड़ू की गुठलियों में सुराख करके उनमें सुरमा भरकर वीराने में दबाएं।

लाल किताब समय–चक्र

30:04:2026 से 20:05:2026 (शनि/केतु/सूर्य)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, केतु और सूर्य के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

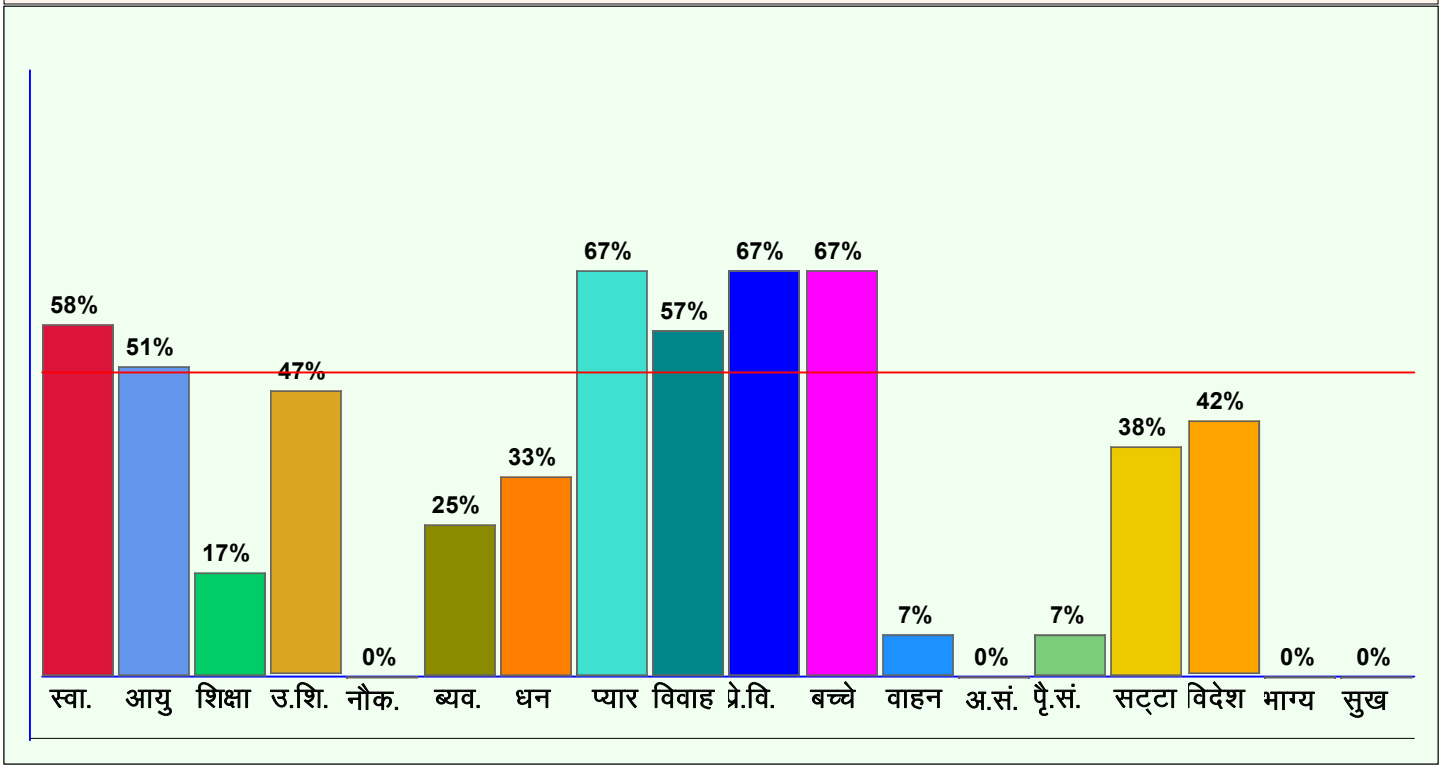

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य	प्रे.वि.	प्रेम विवाह
आयु	आयु	बच्चे	संतान/बच्चे
शिक्षा	शिक्षा	वाहन	वाहन
उ.शि.	उच्च शिक्षा	अ.सं.	अचल संपत्ति
नौक.	नौकरी/पदोन्नति	पै.सं.	पैतृक संपत्ति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय	सट्टा	विदेश संबन्धित
धन	धन–दौलत	विदेश	विदेश संबन्धित
प्यार	प्यार/रोमांस	भाग्य	भाग्य
विवाह	विवाह	सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 30:04:2026 से 20:05:2026 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आपके जीवन में चाहे जितने भी दुःख और मुसीबतें आएं, आप घबराएंगे नहीं। आपके पास धन–संपत्ति अवश्य होगी। आप दूसरों की देखा–देखी अपनी शान बढ़ाएंगे। आपको अपने घर से दूर व्यापार या नौकरी करने पर लाभ होगा। यदि आप सरकारी विभाग में कार्यरत हैं, तो आपको उच्चपद मिल सकता है या आप राजा या मंत्री की तरह बन जाएंगे। आपकी पत्नी अपना सम्मान बचाने वाली होगी और आपको पत्नी का सुख कम मिलेगा। आपकी संतान योग्य और सेवा करने वाली होगी। आपको पैसों आदि के लालच में ससुराल वालों से लड़ाई–झगड़ा या मुकदमा नहीं करना चाहिए। व्यापार में अपने साझेदार से धोखा नहीं देना चाहिए। सरकारी विभाग का बिल या कर आदि चुका देना चाहिए। आपको सफेद रंग की गाय नहीं पालना चाहिए। आपको भोजन में अत्यधिक नमक का सेवन नहीं करना चाहिए। पराई स्त्री से अनैतिक संबंध रखने पर आपकी पत्नी को गुप्त रोग हो सकता है। यदि आप व्यापार या नौकरी करते हैं, तो नर्म स्वभाव रखें तथा यदि सरकारी पद पर आसीन हैं, तो गर्म स्वभाव रखें। यदि आपका चाल–चलन खराब होता है, तो धन–संपत्ति की हानि होगी, मान–सम्मान में कमी आएगी तथा ससुराल परिवार बर्बाद होगा। आपको या आपकी पत्नी को या दोनों को शारीरिक कष्ट हो सकता है। आपके परिवार में गबन, आग, खुदकुशी की घटना हो सकती है। आपकी संतान को दिमाग या जुबान का रोग हो सकता है और बुआ बर्बाद होगी। सरकारी विभाग और धन संबंधी परेशानी होगी। चापलूसी, स्वार्थीपन, झूठी आत्म प्रशंसा करवाने से आपका बहुत खराब समय शुरू होगा। पराई स्त्री या विधवा स्त्री की मुसीबत आपके गले पड़ी रहेगी।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

कोई भी नया काम प्रारम्भ करते या शुभ काम पर पर जाते समय खांड/गुड़ खाकर पानी पीकर जाएं। काली गाय अथवा बिना सींग वाली गाय की सेवा करें। गौशाला में चारा डालें, लेकिन नगद धन ना दें। 7 तांबे के चौरस टुकड़े जमीन में दबाएं। रसोई में सुबह की आग पर भोजन की आहुति दें। रात की रोटी बनाने के बाद आग (गैस चुल्हे/अंगीठी/स्टोव आदि) को कच्चे दूध से छींटा देकर बुझाएं और चुल्हा अगले दिन सूर्योदय के बाद ही जलाएं। अपने माथे पर केसर या हल्दी का तिलक लगाएं।

लाल किताब समय–चक्र

20:05:2026 से 23:06:2026 (शनि/केतु/चन्द्रमा)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, केतु और चन्द्रमा के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

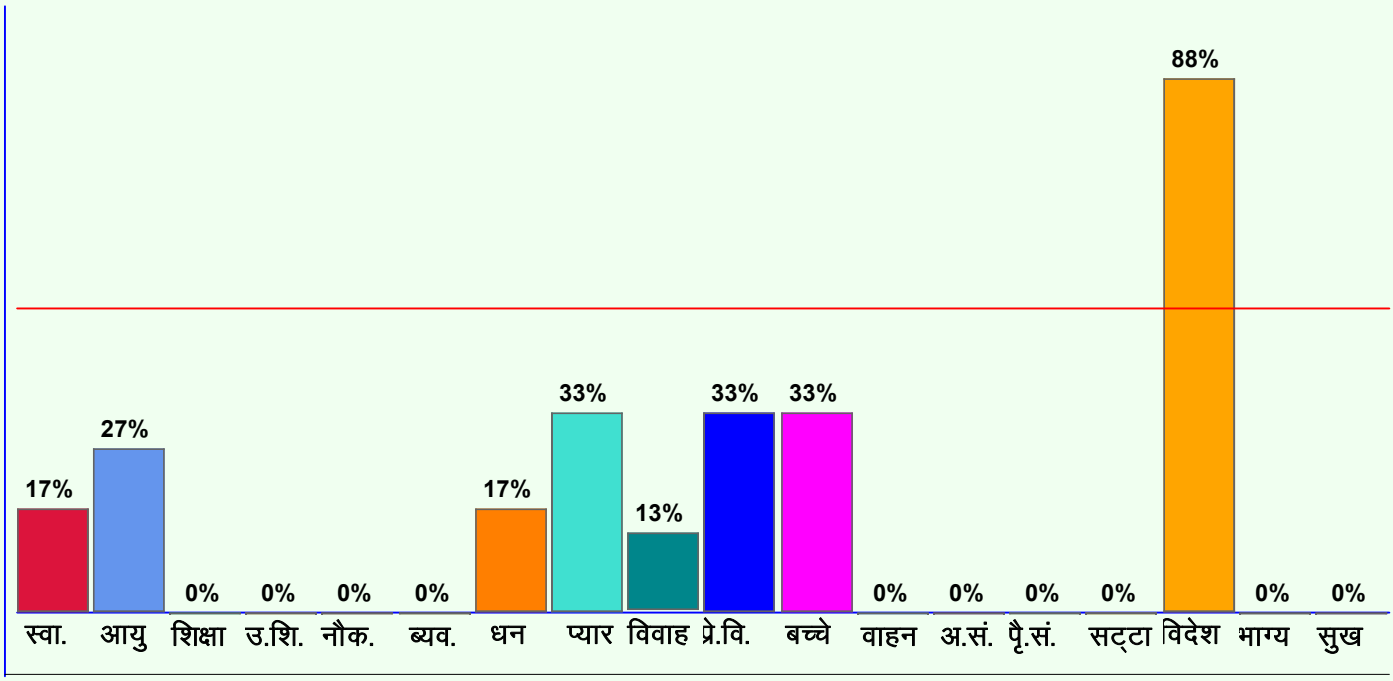

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य	प्रे.वि.	प्रेम विवाह
आयु	आयु	बच्चे	संतान/बच्चे
शिक्षा	शिक्षा	वाहन	वाहन
उ.शि.	उच्च शिक्षा	अ.सं.	अचल संपत्ति
नौक.	नौकरी/पदोन्नति	पै.सं.	पैतृक संपत्ति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय	सट्टा	विदेश संबन्धित
धन	धन–दौलत	विदेश	विदेश संबन्धित
प्यार	प्यार/रोमांस	भाग्य	भाग्य
विवाह	विवाह	सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 20:05:2026 से 23:06:2026 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आप एक सच्चे आशिक या सच्चा प्यार करने वाले होंगे। आपको पैतृक संपत्ति का लाभ मिल सकता है। आपके ससुराल की आर्थिक स्थिति उत्तम होगी। आपको अपने कारोबार में बहुत संघर्ष के उपरांत लाभ मिलेगा। आप चावल, दूध, चांदी एवं सफेद वस्तुओं से लाभ प्राप्त करेंगे। आपको उच्च पद मिलेगा या आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। आपको हार और हानि का सामना शायद ही करना पड़ेगा, युद्ध के मैदान या मुकदमे में आपकी विजय होगी। आपको धन आदि के लिए अपने ससुराल वालों से झगड़ा नहीं करना चाहिए। अपनी माता या माता समान स्त्री का अपमान नहीं करना चाहिए। आपको खोटी चांदी (मुल्लमा) आदि का कारोबार नहीं करना चाहिए। स्प्रेटा दूध या दूध में पानी मिलाकर नहीं बेचना चाहिए। पुत्र संतान का सुख प्राप्त करने के लिए अपने घर के मंदिर में रूद्राक्ष, शिवलिंग, त्रिशूल, ठाकूर आदि की मूर्तियां न रखें। घर में घंटी, घड़ियाल, शंख आदि ना बजाएं। आपको हृदय रोग होने की संभावना रहेगी और आपकी दृष्टि कमजोर हो सकती है। किसी दूसरे को आपसे लाभ नहीं होगा। आपको संतान या शिक्षा में से एक का पूरा सुख मिलेगा।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

जीवन में हो रहे अशुभ प्रभावों से बचने के लिए अपने घर में कच्चा फर्श रखें या गमले लगाएं या फूलों की क्यारियां बनाएं। 9 वर्ष से छोटी उम्र की कन्याओं को हरे रंग के कपड़े दें। अपने मकान की नींव में शुद्ध चांदी दबाएं। अपनी माता से 12–12 ग्राम शुद्ध चांदी और मोटे चावल सफेद कपड़े की थैली में लेकर अपने पास रखें। माता या माता समान स्त्री की सेवा करें और उनका आशीर्वाद लें।

लाल किताब समय–चक्र

23:06:2026 से 16:07:2026 (शनि/केतु/मंगल)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, केतु और मंगल के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

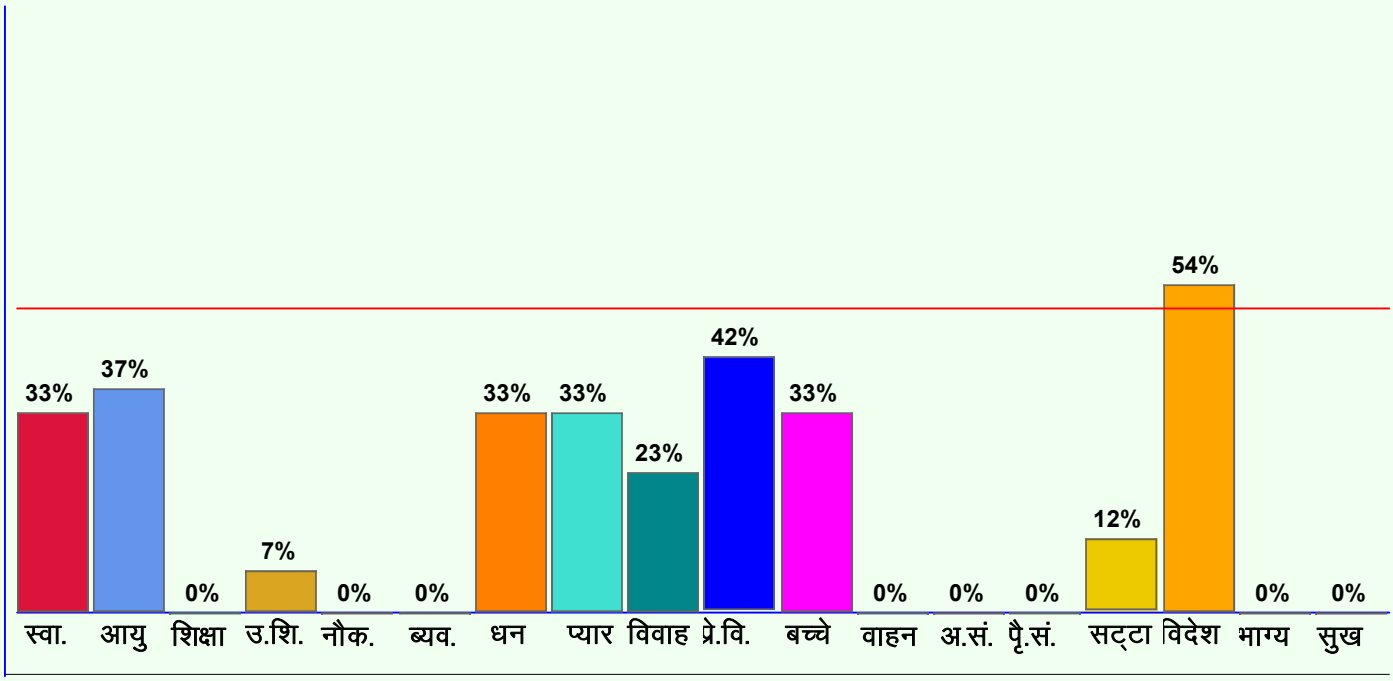

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य	प्रे.वि.	प्रेम विवाह
आयु	आयु	बच्चे	संतान/बच्चे
शिक्षा	शिक्षा	वाहन	वाहन
उ.शि.	उच्च शिक्षा	अ.सं.	अचल संपत्ति
नौक.	नौकरी/पदोन्नति	पै.सं.	पैतृक संपत्ति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय	सट्टा	विदेश संबन्धित
धन	धन–दौलत	विदेश	विदेश संबन्धित
प्यार	प्यार/रोमांस	भाग्य	भाग्य
विवाह	विवाह	सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 23:06:2026 से 16:07:2026 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आपको व्यायाम या जिम जाने का शौक होगा। अपना स्वभाव सदैव नर्म रखने से आपकी प्रगति होगी। आप अच्छे लोगों के लिए एक अच्छे दोस्त और मददगार होंगे। आप मानव प्रेमी होंगे तथा दूसरों के हक के लिए लड़ेंगे। किसी पर भी जुल्म या अत्याचार होते हुए नहीं देख पाएंगे। आपके सगे–संबंधी धनवान बन जाएंगे अथवा ससुराल पक्ष को धन लाभ होगा। रोगादि से आपकी रक्षा होगी। यदि आप लोगों से धोखा या ठगी करते हैं या अय्याशी करते हैं, तो आपको शारीरिक कष्ट होगा, कर्ज के बोझ में दबे रहेंगे तथा संतान अयोग्य होगी। आपको अत्यधिक अक्खड़ या गुस्सैल स्वभाव का नहीं बनाना चाहिए। यदि आपका स्वभाव उग्र होगा तो बहुत हानि होगी। बुरे लोगों की संगति ना करें। कोई भी काम या लेन–देन विश्वास के आधार पर बिना लिखा–पढ़ी किए न करें। आपके अत्यधिक क्रोधित होने पर बहुत अधिक नुकसान हो सकता है। यदि आप व्यर्थ की खोखली उम्मीदों के सहारे रहेंगे, तो आपकी उन्नति का मार्ग अवरुद्ध होगा। खुद ही मुसीबत मोल लिए गए कार्यों के परणाम बुरे ही होंगे, लेकिन आपके परिवार को सहायता मिलती रहेगी। आप पर कर्ज का बोझ रहेगा, कारोबार आदि में धोखा या ठगी होगी, चोरी, डकैती की वारदात भी होती रहेगी। आपका पेट मोटा होगा, तो हृदय रोग या रक्त विकार हो सकता है। आपकी संतान अयोग्य हो सकती है। आपको छोटे भाई का सुख प्राप्त नहीं होगा अथवा छोटे भाई से दूर रहेंगे।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

अपने पास हाथी दांत रखें। शुद्ध चांदी का 60 ग्राम का बिना जोड़ का कड़ा जिसमें तांबे की कील लगाकर दाहिने हाथ में पहनें। बिना जोड़ वाली चांदी की अंगूठी बाएं हाथ की अनामिका या कनिष्ठका उंगली में धारण करें।

लाल किताब समय–चक्र

16:07:2026 से 15:09:2026 (शनि/केतु/राहु)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, केतु और राहु के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

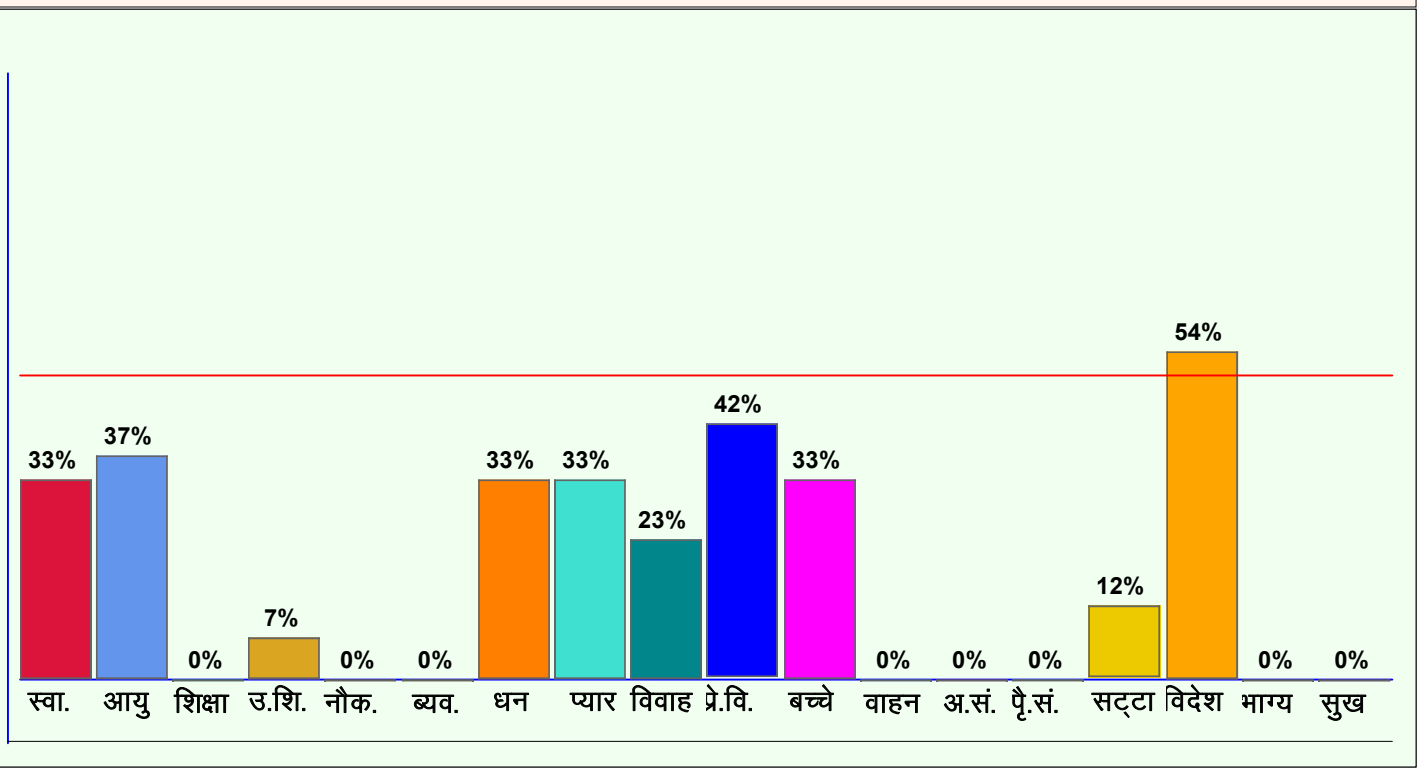

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य	प्रे.वि.	प्रेम विवाह
आयु	आयु	बच्चे	संतान/बच्चे
शिक्षा	शिक्षा	वाहन	वाहन
उ.शि.	उच्च शिक्षा	अ.सं.	अचल संपत्ति
नौक.	नौकरी/पदोन्नति	पै.सं.	पैतृक संपत्ति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय	सट्टा	विदेश संबन्धित
धन	धन–दौलत	विदेश	विदेश संबन्धित
प्यार	प्यार/रोमांस	भाग्य	भाग्य
विवाह	विवाह	सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 16:07:2026 से 15:09:2026 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आप हर काम बुद्धिमानी से करेंगे तथा बुरे कामों से दूर रहेंगे। आपको धन लाभ होगा एवं धन–परिवार में वृद्धि होती रहेगी। आप अय्याश स्वभाव के हो सकते हैं। आपको सरकार या सरकारी विभाग से लाभ या मान–सम्मान मिल सकता है। आपको पत्नी और ससुराल सुख की चिंता रहेगी। आपके शत्रु पराजित होंगे या समझौता करेंगे। आपको अपने घर में कुत्ता नहीं पालना चाहिए। अपनी पत्नी या किसी अन्य स्त्री से झगड़ा नहीं करना चाहिए तथा पराई स्त्री के साथ अनैतिक संबंध भी नहीं रखना चाहिए अन्यथा बर्बादी का कारण होगा। अपने दामाद, दोहते या साले को अपने पास रखना अथवा उनके साथ कारोबार रखना भी आपके लिए अच्छा नहीं होगा। पुलिस विभाग, बिजली या गैस से संबंधित कार्य करने से अशुभ घटनायें हो सकती हैं, अतः ऐसे कार्य ना करें। शेयर, सट्टा, जुआ आदि के कार्य ना करें, अन्यथा इसमें हानि और परेशानी होगी और ऐसे किसी भी कार्य में संलग्न ना हों, जिसमें बदनामी होने की संभावना हो। आपका अपनी पत्नी से झगड़ा या वियोग हो सकता है। उनका स्वास्थ्य खराब हो सकता है या मानसिक रोग से ग्रसित हो सकती हैं। किसी पराई स्त्री से संबंध के कारण बर्बादी होगी। आप जिसके साथ रहेंगे वह बर्बाद हो सकता है। आप धन खर्च नहीं करेंगे, लेकिन फिजूलखर्ची होती रहेगी।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

60–60 ग्राम की शुद्ध चांदी की 2 ईंटें अपने घर के लॉकर में रखें। 7 श्रीफल (सूखे बजने वाले नारियल) बहते जल में प्रवाहित करें। 4 ग्राम शुद्ध चांदी का चौरस टुकड़ा चांदी की डिब्बी में रखकर उसमें गंगाजल या किसी नदी का जल भरकर रखें और उस जल को सूखने ना दें, उसमें जल डालते रहें। आपकी पत्नी के माता–पिता अपनी पुत्री को शुद्ध चांदी दें।

लाल किताब समय–चक्र

15:09:2026 से 08:11:2026 (शनि/केतु/गुरू)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, केतु और गुरू के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

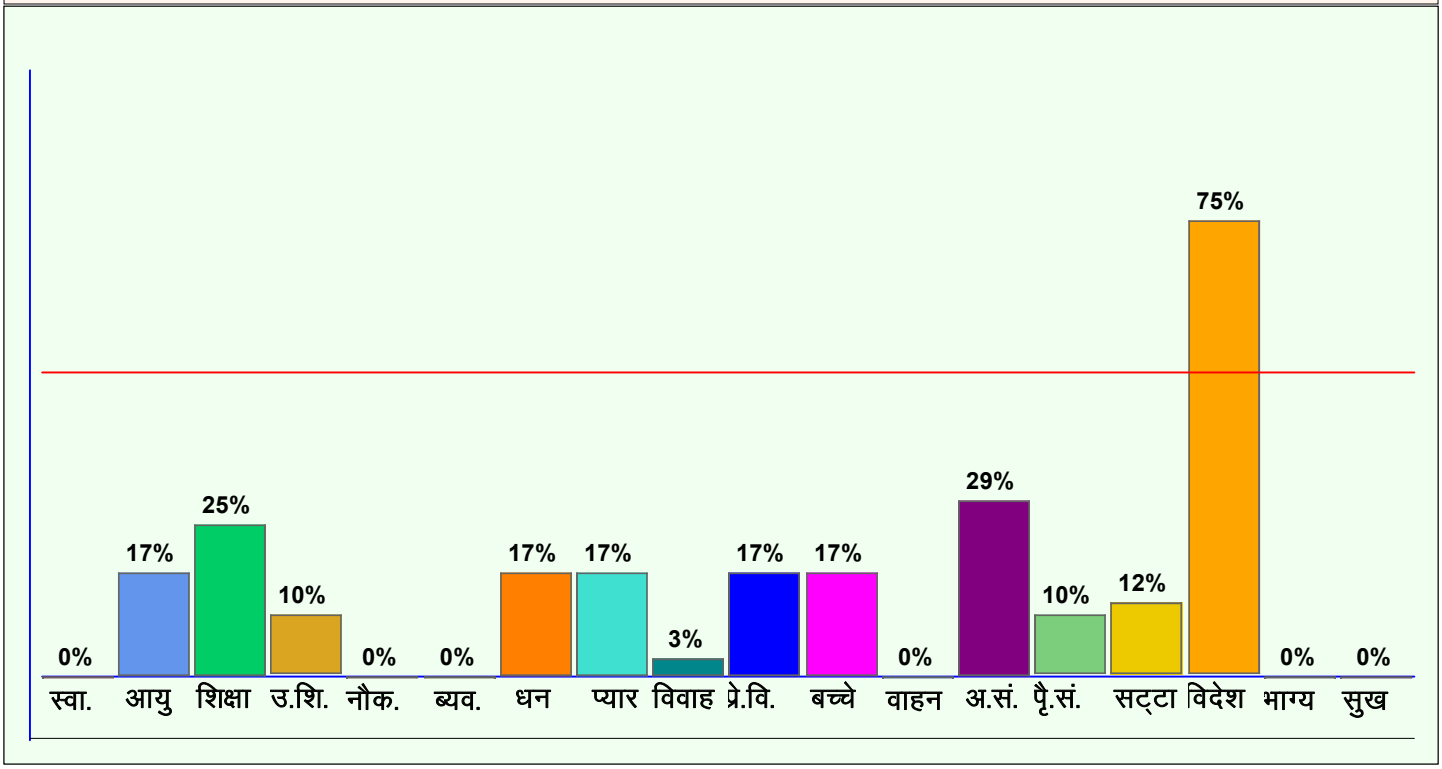

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य
आयु	आयु
शिक्षा	शिक्षा
उ.शि.	उच्च शिक्षा
नौक.	नौकरी/पदोन्नति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय
धन	धन–दौलत
प्यार	प्यार/रोमांस
विवाह	विवाह

प्रे.वि.	प्रेम विवाह
बच्चे	संतान/बच्चे
वाहन	वाहन
अ.सं.	अचल संपत्ति
पै.सं.	पैतृक संपत्ति
सट्टा	विदेश संबन्धित
विदेश	विदेश संबन्धित
भाग्य	भाग्य
सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 15:09:2026 से 08:11:2026 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आप सत्यप्रिय और साफ हृदय के व्यक्ति होंगे। मेहनत और इमानदारी से अर्जित पैसा स्वर्ण जितना लाभप्रद होगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे, चौपाया पशुओं, वाहन और खेती–बाड़ी का सुख मिलेगा। यदि आप सरकार या सरकारी विभाग में हैं, तो पदोन्नति होगी। किसी सोसईटी आदि में अग्रणी हो सकते हैं। आपको आकस्मिक या लॉटरी के माध्यम से धन–लाभ हो सकता है। आपके पिता का और आपका नाम व यश दूर–दूर तक फैलेगा। आप दूसरों के मुंह की बात पहले ही भांप जाएंगे। आपको विदेश यात्रा या विदेशी व्यापार, आयात–निर्यात या विदेश में नौकरी से लाभ होगा। सांपों को मारना या मरवाना तथा मकानों को गिराना या गिरवाना आपके लिए हानिप्रद हो सकता है। अपना चाल–चलन ठीक रखें तथा निर्धन व्यक्ति से संबंध ना रखें। अपने घर में बैट्री या चाबी से चलने वाले खराब खिलौने ना रखें या टूटे हुए आधे–अधूरे या किसी पदार्थ से चिपकाए हुए खिलौने या मुर्तियां आदि ना रखें। मांस, मछली, मदिरा आदि का सेवन ना करें। किसी के सामने गिरेवान नंगा ना रखें। आपके माता–पिता व परिवार पर संकट आ सकता है। यदि माता के साथ रहेंगे, तो बौद्धिक कार्यों या शिक्षा में अवरोध उत्पन्न हो सकता है। आप अमीरों को लूटकर गरीबों की सेवा करेंगे। राजा के समान होते हुए भी अपने घर से दूर निर्धन या मजदूर के समान रहेंगे। आपकी बुरी व नकारात्मक सोच आपकी बर्बादी का कारण बनेगी। परस्त्री या बाजारू स्त्री से संबंध के कारण बर्बाद होंगे।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

10 दिन/सप्ताह/माह नियमित रूप से बहते जल नदी, नहर या गंगा में स्नान करें। अपने बनियान के अन्दर की तरफ लाल रंग का चौरस निशान लगाकर पहनें। अपने पिता, कुल पुरोहित और बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते रहें। प्रतिदिन गले में टाई पहनें या गोल गले का बनियान पहनें।

लाल किताब समय–चक्र

08:11:2026 से 31:12:2026 (शनि/केतु/शनि)

नोट :– इस समयावधि में आपका शनि, केतु और शनि के मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। इस समयावधि के दौरान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपके लिए क्या परिणाम प्राप्त होंगे उसे ग्राफ के द्वारा दर्शाया गया है। इनमें जो क्षेत्र उच्चतम बिन्दु प्राप्त कर रहें हैं उनका तात्पर्य यह है कि, जीवन के उन क्षेत्रों में अधिकतम गतिविधि एवम् लाभ की संभावना है।

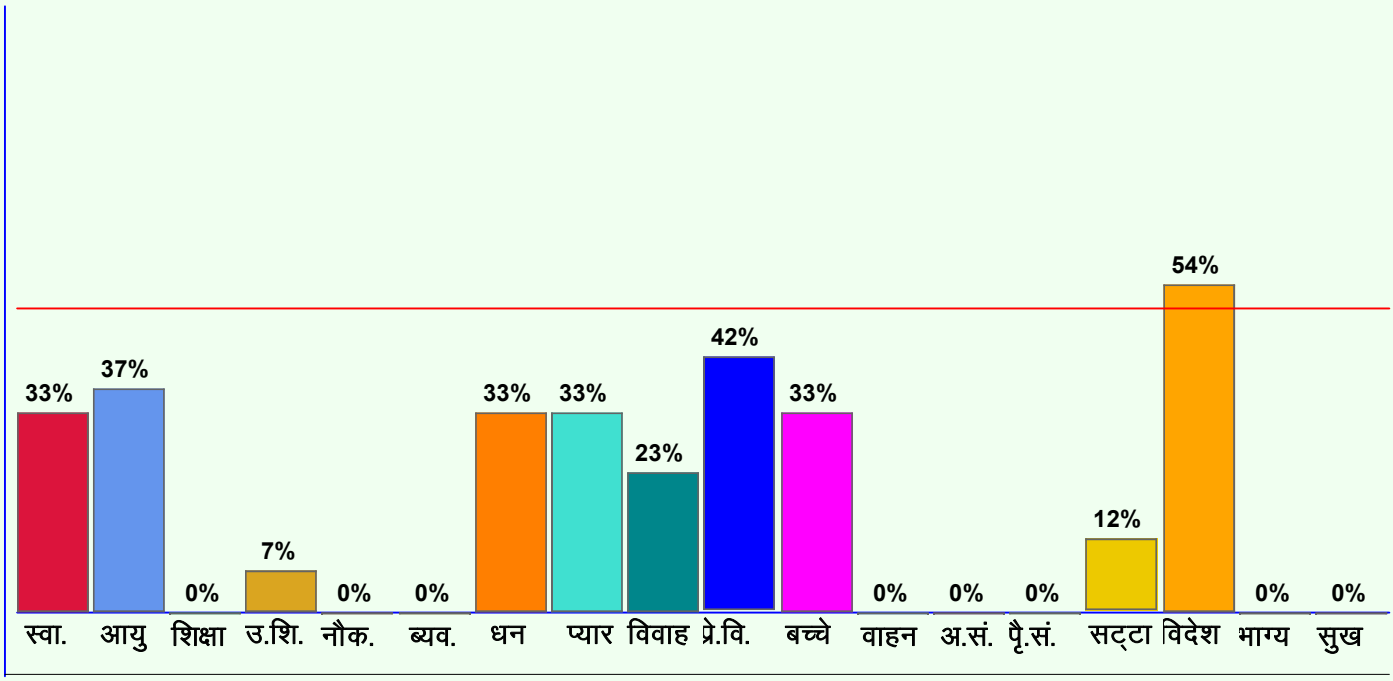

स्वा.	सामान्य स्वास्थ्य	प्रे.वि.	प्रेम विवाह
आयु	आयु	बच्चे	संतान/बच्चे
शिक्षा	शिक्षा	वाहन	वाहन
उ.शि.	उच्च शिक्षा	अ.सं.	अचल संपत्ति
नौक.	नौकरी/पदोन्नति	पै.सं.	पैतृक संपत्ति
ब्यव.	ब्यापार/ब्यवसाय	सट्टा	विदेश संबन्धित
धन	धन–दौलत	विदेश	विदेश संबन्धित
प्यार	प्यार/रोमांस	भाग्य	भाग्य
विवाह	विवाह	सुख	सुखी जीवन

लाल किताब समय–चक्र

समयावधि 08:11:2026 से 31:12:2026 तक के लिए फल, सावधानियाँ और उपाय

आप माया के त्यागी होंगे, आपको नौकरी/व्यापार व परिवार की चिंता नहीं रहेगी, लेकिन जीवनसाथी की चिंता रहेगी। आपके पास धन–संपत्ति बहुत होगी एवं बने–बनायें मकान का लाभ मिलेगा। आपके अनेक मकान बनेंगे और जब जैसा मकान बने उसे बनने दें रोके नहीं। आपमें धोखेबाजी एवं भेद छुपाकर काम करने की आदत होगी। आपको रात में सुख और आराम की नींद मिलेगी। आंखों से संबंधित रोग या कष्ट प्रारम्भ होना शनि के अत्यधिक अशुभ फल प्रारम्भ होने का सूचक होगा। यदि आपके मकान के अंत मे अंधेरा कमरा हो तो उसमें रोशनी की व्यवस्था ना करें। अपने घर की पिछली दीवार तोड़ने पर पत्नी सुख की चिंता होगी तथा अपना चाल–चलन खराब करने व झूठ बोलने पर धन व परिवार की चिंता होगी। पराये धन एवं पराई नारी पर बुरी दृष्टि ना रखें। मांस–मदिरा आदि का सेवन ना करें। पत्नी भक्त ना बनें अन्यथा अशुभ परिणाम होगा। अत्यधिक क्रोधित होने से सरकारी विभाग से परेशानी हो सकती है। झूठ बोलने पर धन–परिवार की चिंता रहेगी।

विशेष सावधानियाँ और उपाय

प्रतिकूल प्रभावों से बचने के लिए रसोई में तांबे के बर्तनों का प्रयोग करें और तांबे के बर्तनों में खाना खायें। दीवान या तख्त पर सोयें। मकान के आग्नेय कोण (दक्षिण–पूर्व दिशा) में बनी अंधेरी कोठरी में 12 बादाम दबायें।

लाल–किताब के उपाय करने के नियम और सावधानियाँ

(1) एक दिन में केवल एक ही उपाय करें। एक उपाय समाप्त हो जाने के बाद अगले दिन से दूसरा उपाय शुरू करें।

(2) सभी उपाय सूर्योदय के बाद एवं सूर्यास्त से पहले करें। जो उपाय सूर्यास्त के बाद करने के लिए लिखा गया है, केवल उसे ही सूर्यास्त के बाद करें।

(3) सबसे पहले छोटे उपाय, जो एक दिन के होते हैं, उन्हें करना चाहिए। यदि आपकी कुण्डली में कोई ऋण है तो पहले ऋण वाले उपाय करें।

(4) कुछ उपाय सप्ताह, मास या 43 दिन लगातार करने होते हैं, इन उपायों को बाद में शुरू करें। ध्यान रखें कि ऐसे उपाय बीच में न टूटें, अन्यथा शुभ फल प्राप्त नहीं होंगे।

(5) यदि लंबे उपाय करते समय किसी कारण से उपाय बीच में बंद करना पड़े तो उस दिन उपाय करने के बाद थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांधकर अपने पास रख लें और जब दुबारा उपाय शुरू करना हो तो वह चावल धर्म स्थान में दे दें या बहते पानी में प्रवाहित कर दें। उसके बाद उपाय शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल प्राप्त होगा।

(6) मासिक धर्म के दौरान महिलायें मंदिर जाने वाले उपाय न करें, इस दौरान अपने खून से संबंधित परिवार के किसी सदस्य से उपाय करवायें।

(7) एक दिन वाले उपाय चौथ, नवमी एवं चतुर्दशी को कर सकते हैं, लेकिन लंबे चलने वाले उपाय इन तिथियों को शुरू न करें।

(8) जल प्रवाह की कोई भी वस्तु सिर पर सात बार घुमाकर जल प्रवाह करें।

(9) यदि कोई उपाय जिंदगी भर के लिए करना है तो पहले उसे शुरू कर साथ–साथ एक–एक करके दूसरे उपाय करें।

(10) जिस उपाय को किसी खास दिन शुरू करने के लिए न कहा गया हो, उस उपाय को करने के लिए किसी दिन या तिथि जैसे अमावस्या, पूर्णिया आदि का विचार न करें।

(11) जिस चीज/औजार से उपाय करें या जो भी सामान उपाय के लिए ले जायें, उसे वहीं छोड़ दें। लंबे चलने वाले उपाय में औजार आखिरी दिन छोड़ें।

(12) जो चीज जल प्रवाह करें या धर्म स्थान में दें, उस दिन उस चीज का सेवन न करें।

(13) उपाय के दिनों में शारीरिक संबंध स्थापित न करें।

Disclaimer

(1) Please note that an astrological prediction is just an opinion of the astrologer on the basis of the Horoscope and has no scientific authenticity. These predictions are based upon the characteristics, placements, aspects, associations, strengths, weaknesses of the planets and the ability, command over the astrology subject and experience and competence of the astrologer in the Indian Vedic Astrology.

(2) Recommendation for astrological remedies such as gemstones, mantras, yantras etc are often prescribed after diligent study of the client's birth chart and with due exercise of his prudence and judgment. It must be clearly understood that every such prescription is accompanied by a prescribed method and procedure, which is expected to be followed by our clients with diligence MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which provided this Report) is not responsible for any claims for negative functioning of any prescription of astrological remedy provided. The remedies you receive should not be used as a substitute for advice, programs, or treatment that you would normally receive from a licensed professional, such as lawyer, doctor, psychiatrist, or financial advisor.

(3) The spiritual and material benefits stated with respect to various astrological forecasts, mantras, yantras, pujas, stones or any other spiritual items as well as other products and services are as per th ancient Indian Scriptures and literature. However, as the socio-economic and religious circumstances have changed a lot since then, neither MindSutra Software Technologies and its Software Users (Whic Provided this Report) can be held responsible for non functioning or non fructification of the stated results.

(4) MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which Provided this Report) makes no guarantees or representations vis-a-vis the accuracy or consequence of any aspect of the astrological remedy and predictive advice imparted and cannot be held accountable for any interpretation, action, o use that may be made because of information given.

(5) MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which provided this Report) ensures complete confidentiality of customer's identity, birth details and the prediction details. MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which Provided this Report) further ensures that no use will be made of the information that may come to the knowledge of the management of the site or revealed in the horoscope of the customer. Such information will only be used to communicate to the customer or will be retained in the databank for referencing purpose if you may need to consult in future.

(6) Any type of Legal Claim shall be limited to any amounts you may have paid to MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which provided this Report) shall have no other Liability except to the extent permitted by applicable law. In no event will MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which provided this Report) be liable for any indirect, consequential, incidental, special, multiple, punitive, or similar damages.

(7) MindSutra Software Technologies and its Software Users (Which Provided this Report) reserves the right to change, modify, add or delete portions of the Terms of Use at any time. Your continued use following any changes in the terms indicates your acceptance to the changes.